आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 28 मई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 181
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

# इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

## अंदर के पन्नों पर...

कांग्रेस ओछी राजनीति कर रही - महापौर

पेज-2

'रफ्तार' अब दशहरा वीकेंड पर होगी रिलीज

पेज-5

60 पेट्रोल पंप होने लगे ड्राय, डीजल का संकट

पेज-6

# कांग्रेस के भीतर दिखने लगी राहुल गांधी की 'दबंगई'

## बदलने लगा सियासी अंदाज

## नए नेतृत्व को मौका देने के पक्षधर

## 2029 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ले रहे हैं निर्णय

**नई दिल्ली (एजेंसी)** ● कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सियासी अंदाज अब तेजी से बदलता दिख रहा है। लंबे समय से आलोचक उन पर यह सवाल उठते रहे हैं कि क्या वे पार्टी के भीतर बड़े और मुश्किल फैसले लेने का साहस रखते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में तमिलनाडु, केरल और अब कर्नाटक में जिस तरह के फैसले सामने आए हैं, उससे पार्टी के अंदर यह धारणा मजबूत हो रही है कि राहुल गांधी अब पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक, व्यावहारिक और निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के अंदर माना जा रहा है कि दक्षिण भारत को बचाए रखना राहुल गांधी की सबसे बड़ी राजनीतिक प्राथमिकता बन चुका है। फिलहाल कांग्रेस दक्षिण के पांच राज्यों में से चार में या तो सत्ता में है या गठबंधन सरकार का हिस्सा है। ऐसे में बीजेपी के खिलाफ दक्षिण भारत कांग्रेस का सबसे मजबूत राजनीतिक किला माना जा रहा है। यही वजह है कि 2028 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव और आने वाले लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी लगातार ऐसे फैसले ले रहे हैं, जो पार्टी को लंबे समय तक फायदा पहुंचा सकें।

इन तीनों घटनाओं को साथ रखकर देखें तो कांग्रेस के भीतर राहुल गांधी की कार्यशैली में साफ बदलाव दिखाई देता है। पहले जहां वे अलग-अलग गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करते थे, वहीं अब वे जीत की संभावना और लंबी राजनीतिक रणनीति को ध्यान में रखकर सीधे हस्तक्षेप करने से भी नहीं हिचक रहे।

पार्टी के कई नेता निजी बातचीत में कह रहे हैं कि राहुल गांधी अब 'अपनी राजनीतिक समझ पर पहले से ज्यादा भरोसा' करने लगे हैं। ऐसे समय में जब राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस कई चुनौतियों से जूझ रही है, दक्षिण भारत को बचाए रखना राहुल गांधी की राजनीति का सबसे बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। और यही रणनीति आने वाले समय में कांग्रेस की दिशा तय कर सकती है।

### तमिलनाडु में सही निकला राहुल का आंकलन

इस बदलाव का पहला संकेत तमिलनाडु में देखने को मिला। पार्टी सूत्रों के मुताबिक विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी चाहते थे कि कांग्रेस केवल डीएमके पर निर्भर रहने के बजाय अभिनेता से राजनेता विजय के साथ किसी समझौते की संभावनाएं तलाशे। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस सोच से सहमत नहीं थे और उनका मानना था कि डीएमके से दूरी बनाना जोखिम भरा हो सकता है। लेकिन राहुल गांधी का आकलन था कि विजय की राजनीति में एंट्री ने तमिलनाडु का समीकरण बदल दिया है और कांग्रेस को समय रहते खुद को नए हालात के मुताबिक ढालना होगा। आखिरकार विजय को बड़ा जनसमर्थन मिलने के बाद राहुल गांधी की लाइन को पार्टी में गंभीरता से देखा जाने लगा।

### केरल में भी दिखा तेवर

इसके बाद दूसरा बड़ा संकेत केरल में मिला। यहां कांग्रेस नेतृत्व ने अनुभवी नेता केसी वेणुगोपाल की तुलना में वीडी सतीशन को भविष्य के मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर ज्यादा महत्व दिया। इसे पार्टी के भीतर पीढ़ीगत बदलाव और संगठनात्मक रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। माना गया कि राहुल गांधी ने दिल्ली की सत्ता राजनीति से ज्यादा राज्य स्तर पर आक्रामक नेतृत्व को प्राथमिकता दी। दिलचस्प बात यह रही कि सतीशन के समर्थन में अपेक्षाकृत कम विधायक थे, लेकिन इसके बावजूद राहुल गांधी की राय भारी पड़ी।

### निभाया वादा

कांग्रेस रणनीतिकारों का मानना है कि चुनाव से पहले नेतृत्व परिवर्तन सरकार के खिलाफ माहौल को कमजोर कर सकता है और संगठन में नई ऊर्जा भर सकता है। डीके शिवकुमार को संगठन पर मजबूत पकड़ और संसाधन जुटाने की क्षमता के कारण कांग्रेस के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। इसके पीछे एक और बड़ा राजनीतिक संदेश भी छिपा है। 2023 में राहुल गांधी ने कथित तौर पर डीके शिवकुमार से वादा किया था कि ढाई साल बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। अब पार्टी के अंदर यह चर्चा है कि राहुल गांधी उस वादे को निभाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, भले ही इसमें कुछ देरी हो रही हो।

# सिंहस्थ को 'ग्रीन सिंहस्थ' बनाने की तैयारी

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**उज्जैन** ● उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को 'ग्रीन सिंहस्थ' थीम पर विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके तहत पूरे सिंहस्थ क्षेत्र में लगभग 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। संभागायुक्त आशीष सिंह ने सभी विभागों को सात दिन के भीतर पौधारोपण का विस्तृत प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इस पहल के तहत शहर की नई सड़कों, पंचक्रोशी मार्ग, शिप्रा घाट और मेला क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। बुधवार दोपहर सिंहस्थ मेला कार्यालय में हुई बैठक में इन योजनाओं पर चर्चा की गई। संभागायुक्त आशीष सिंह ने कहा कि सिंहस्थ से जुड़े हर विकास कार्य के साथ पौधारोपण को अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए। उनका उद्देश्य है कि आने वाले वर्षों में पूरा क्षेत्र एक ग्रीन कॉरिडोर के रूप में दिखाई दे। 64 मार्ग पर विशेष रूप से 274 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के दोनों किनारों और डिवाइडर पर फूलदार पौधे लगाए जाएंगे। इनमें अमलतास, गुलमोहर, नील मोहर और पलाश जैसे प्रजातियों का चयन किया जा रहा है। प्रशासन ऐसे पौधों को प्राथमिकता दे रहा है जो कम समय में बड़े होकर सिंहस्थ तक आकर्षक दिखें और गर्मियों में भी रंगीन बने रहें। वन विभाग ने पंचक्रोशी मार्ग पर तीन चरणों में पौधारोपण की योजना प्रस्तुत की है। इस बारिश के मौसम में लगभग 15 हजार बड़े पौधे लगाए जाएंगे। इन पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्री गार्ड भी लगाए जाएंगे। उद्यानिकी विभाग को शिप्रा नदी के किनारे निजी जमीनों पर किसानों को फलदार पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त, जल संसाधन विभाग शिप्रा नदी के 29 किलोमीटर क्षेत्र में बन रहे नए घाटों के किनारों पर भी हरियाली विकसित करेगा। घाटों से लगभग डेढ़ मीटर की दूरी पर पौधारोपण किया जाएगा।

## आशियाना टूटने का दर्द...

इंदौर। छावनी सड़क चौड़ीकरण के बाद वहां के रहवासी अपना दर्द अब पोस्टरों के माध्यम से व्यक्त कर रहे हैं। व्यवस्थापकों और वर्तमान व्यवस्था से नाराजगी जताए गए पोस्टर पूरे इलाके में चर्चा का विषय बने हुए हैं।
फोटो : दैनिक इंदौर संकेत

## न्यूज ब्रीफ

- ईद-उल-अजहा पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- भाईचारे की भावना गहरी हो
- कर्नाटक : सिद्धारमैया ने CM पद से इस्तीफा देने का किया ऐलान
- TMC सांसद काकोली घोष ने लोकसभा स्पीकर को लिखी चिट्ठी, कल्याण बनर्जी पर लगाया गंभीर आरोप
- ट्विशा शर्मा केस : हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत देने का आदेश रद्द
- जैवलिन में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सुमित अंतिल को बधाई दी
- दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट, सुबह तापमान में गिरावट से मिली राहत
- 'गाजा में हमास के दो प्रमुख आतंकियों को निशाना बनाया', IDF का दावा
- बंदर अब्बास पर बमबारी से बौखलाया ईरान, अमेरिकी बेस पर किया हमला
- लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर इजरायल का भीषण हमला
- ईरान पर हमले को अमेरिका ने बताया रक्षात्मक कार्रवाई, कहा- सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना
- अमेरिका ने सीजफायर के बीच ईरान पर फिर किए हमले
- ट्रंप की धमकियों के आगे नहीं झुकेगा ईरान : ईरानी संसद समिति

# कॉकरोच जनता पार्टी के लिए चुनाव आयोग में पहुंच गया आवेदन

**नई दिल्ली (एजेंसी)** ● सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' का गठन करने वाले अभिजीत दीपके को एक और बड़ा झटका लगा है। हरियाणा के एक वकील ने बड़ा खेला कर दिया है। चुनाव आयोग में आवेदन दायर करते हुए अपने नाम से पार्टी के रजिस्ट्रेशन की मांग कर दी है।

यदि चुनाव आयोग उनके आवेदन को स्वीकार करता है तो इस नाम के राजनीतिक दल पर उनका कब्जा होगा। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि पानीपत के निवासी सुधीर जाखड़ पेशे से वकील हैं। उन्होंने खुद को 'कॉकरोच जनता पार्टी' का राष्ट्रीय संयोजक बताते हुए चुनाव आयोग के पंजीकरण सचिव के सामने आवेदन दायर किया है। उन्होंने रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपल ऐक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्ट्रेशन की मांग की है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की ओर से बेरोजगार युवाओं पर की गई एक टिप्पणी के बाद अमेरिका में पढ़ाई कर रहे अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम का हैंडल बनाया जो एक्स के अलावा इंस्टाग्राम पर बेहद हिट रहा। कुछ ही दिनों में इसके फॉलोअर्स की संख्या भाजपा और कांग्रेस से भी अधिक हो गई। लेकिन बाद में सरकार की मांग के बाद इसके हैंडल्स को ब्लॉक कर दिया गया। आम आदमी पार्टी से जुड़े रहे अभिजीत दीपके का कहना है कि उनके वेबसाइट को भी बंद कर दिया गया है।

### जाखड़ ने कहा- दीपके ने किया इनकार, इसलिए आवेदन

जाखड़ ने कहा कि पार्टी ने दीपके से संपर्क किया और उन्हें भारत आकर पार्टी को रजिस्टर कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि बोस्टन में मास्टर डिग्री ले रहे दीपके ने लौटने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'दीपके ने भारत वापस आने और इस मुहिम को जमीन पर वास्तविक राजनीतिक दल में बदलने से इनकार किया। युवाओं के आक्रोश और इसके आकार को देखते हुए हमें लगा कि यदि किसी और ने इसे अपने नाम से रजिस्टर कर लिया और गलत इस्तेमाल किया तो पूरा आंदोलन खत्म हो जाएगा। ऐसा ना हो यह सुनिश्चित करने के लिए हमने आगे बढ़ने का फैसला किया।' दीपके ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी है।

**जाखड़ ने क्या बताए पार्टी के उद्देश्य**-जाखड़ को बाकी दस्तावेज जमा करने के लिए मंगलवार को चुनाव आयोग में पेश होना था। जाखड़ चुनाव आयोग को दिए दस्तावेज में पार्टी के जो उद्देश्य बताए हैं उनमें संविधान के अनुच्छेद 51ए के तहत मौलिक कर्तव्यों को बढ़ावा देना, लोकतांत्रिक भागीदारी, शासन का सोशल ऑडिट, पर्यावरण संरक्षण, पशु कल्याण, कानूनी जागरूकता, पारदर्शिता, सांप्रदायिक सद्भाव और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक सुधार आदि शामिल हैं।

# ईदगाह मैदान पर हुई नमाज अदा, शहर काजी बोले- गौमाता को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करें

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ● शहर में ईद का पर्व हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। शहर की अलग-अलग मस्जिदों में ईद पर विशेष नमाज अदा की गई। मुख्य नमाज सदर बाजार के ईदगाह मैदान पर हुई, जहां शहर काजी इशरत अली ने समाजजनों के साथ नमाज अदा की और देश व शहर के लिए अमन और भाईचारे की दुआ मांगी। उन्होंने कहा कि गौमाता को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करना चाहिए, ताकि उसके कटने पर पाबंदी लग सके। इस बात पर उन्होंने हाथ उठवाकर समाजजनों से सहमति भी दर्ज कराई।

शहर काजी ने कहा कि इंदौर में हरियाली कम हो रही है। विकास के नाम पर हरियाली को उजाड़ा जा रहा है। हमें पर्यावरण की भी रक्षा करनी है। समाजजन अपने-अपने इलाकों में पेड़ लगाएं, खासकर सहजन की फली के पेड़ लगाएं। इससे आर्थिक लाभ भी होगा। शहर को हरा-भरा बनाना हमारी भी जिम्मेदारी है।

शहर काजी ने कहा कि शहर में जलसंकट छाया हुआ है। पानी को व्यर्थ न बहने दें। बारिश के दिनों में वाटर रिचार्जिंग करें। सरकारें और अधिकारी आते-जाते रहते हैं, लेकिन शहरवासी ही शहर के मालिक होते हैं।

# नंदानगर अस्पताल पर 20 लाख का किराया बकाया

## गांधी मजदूर स्मारक ट्रस्ट ने दी ताला लगाने की चेतावनी

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** ● मजदूरों के हितों के लिए बनाई गई गांधी मजदूर स्मारक ट्रस्ट की जमीन का किराया वर्षों से अटका हुआ है। ट्रस्ट ने स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग पर ट्रस्ट की जमीन पर अस्पताल और स्कूल संचालित करने के बावजूद किराया नहीं देने का आरोप लगाया है। ट्रस्ट के मुताबिक करीब 20 से 22 लाख रुपए किराया बकाया है, जबकि नगर निगम ने लगभग 2 लाख रुपए के प्रॉपर्टी टैक्स का नोटिस भी थमा दिया है। ट्रस्ट के मंत्री लक्ष्मीनारायण ने चेतावनी दी कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो अस्पताल और स्कूल भवनों पर ताले लगाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ट्रस्ट के मंत्री लक्ष्मीनारायण कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में इसकी शिकायत लेकर पहुंचे थे, लेकिन बावजूद इसके अभी तक कोई की समाधान नहीं हुआ है।

**2022 से बंद हुआ अस्पताल का किराया** - ट्रस्ट के अनुसार नंदानगर स्थित उसकी जमीन पर पहले प्रसूति गृह संचालित होता था, जहां अब नया सरकारी अस्पताल बन चुका है। वर्ष 2022 के बाद से अस्पताल की जमीन का किराया ट्रस्ट को नहीं मिला। हर महीने 49 हजार रुपए किराया तय था। सीएमएचओ माधव हसानी ने बताया कि मामले में भोपाल स्थित विभाग को पत्र भेजा जा चुका है और एक और रिमाइंडर जारी किया जाएगा। ट्रस्ट को मिलने वाली किराया राशि से मजदूरों के हित में सामाजिक और कल्याणकारी गतिविधियां संचालित की जाती थीं।

न्यूज ब्रीफ

### टीसीआई ने 2026 की चौथी तिमाही के मजबूत वित्तीय परिणाम घोषित किए

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● भारत की अग्रणी एकीकृत मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन समाधान प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (TCI) ने 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। Q4/FY2026 के प्रमुख वित्तीय परिणाम: राजस्व (Revenue): TCI ने 1336 करोड़ का समेकित राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1197 करोड़ की तुलना में 11.6% की वृद्धि दर्शाता है। EBITDA: कंपनी का ब्याज, कर, मूल्यह्रास एवं अमोर्टाइजेशन से पूर्व लाभ (EBITDA) 174 करोड़ रहा, जो Q4/FY2025 के 162 करोड़ की तुलना में 7.4% अधिक है। कर पश्चात लाभ (PAT) - PAT में 8.7% की वृद्धि दर्ज की गई और यह 125 करोड़ रहा।

### शहर काजी को शाही बग्गी में ईद की नमाज के लिए लेकर जाएंगे

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● रिज़र्व फोर्स के संयोजक सत्यनारायण सलवाडिया ने बताया कि 28 मई को ईद अल अज़हा के मुबारक मौके पर शहर काजी डॉक्टर जनाब इशरत अली साहब को उनके निवास राज मोहल्ला से सदर बाजार ईदगाह तक शाही बग्गी में ईद-उल-अज़हा की नमाज के लिए लेकर जाएंगे। पिछले 50 वर्षों से चली आ रही सांप्रदायिक सद्भावना की परंपरा के अनुसार नमाज के लिए शहर काजी साहब को सम्मान उनके निवास राजमोहल्ला से लेकर जाएंगे। नमाज के पश्चात वापस उनके निवास स्थान पर छोड़ा जाएगा।

### फ्लिपकार्ट ने 'बैक टू कैंपस' 2026 सेल के साथ टेक डील पेश की

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● भारत के होमग्रोन ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट की फ्लैगशिप 'बैक टू कैंपस' सेल का 2026 एडिशन 22 मई से 28 मई तक चल रहा है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई, क्रिएटिविटी, सहयोग और रोजमर्रा की प्रोडक्टिविटी के लिए डिजिटल फर्स्ट और ए.आई इनेबल्ड लर्निंग टूल ज्यादा अपना रहे हैं। इसलिए फ्लिपकार्ट उन्हें ज्यादा किफायती मूल्य में और आसानी से टेक्नोलॉजी उपलब्ध कराके इस एकेडेमिक सीज़न में उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहता है।

### पीएम सूर्य घर योजना में 39 हजार 975 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची सब्सिडी

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत आने 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल 39 हजार 975 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। इनके खातों में 311 करोड़ 65 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में जमा कराई जा चुकी है।

## ट्रीटेड वॉटर विवाद पर गरमाई राजनीति बोले महापौर भार्गव

# कांग्रेस ओछी राजनीति कर रही, शहर हित के कामों को बदनाम किया जा रहा

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● भीषण गर्मी, घटते जलस्तर और शहर में बढ़ती पानी की मांग के बीच नगर निगम द्वारा ट्रीटेड वॉटर के उपयोग को बढ़ावा देने की मुहिम अब राजनीतिक विवाद का विषय बन गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस शहरहित में किए जा रहे कार्यों को भी राजनीति का माध्यम बना रही है और बेहद हल्के स्तर की राजनीति पर उतर आई है।

महापौर ने कहा कि इंदौर इस समय गंभीर जल संकट की चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे में नगर निगम लगातार पेयजल संरक्षण और वैकल्पिक जल स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। निगम द्वारा नागरिकों, बिल्डर्स और संस्थानों से अपील की जा रही है कि जहां पीने योग्य पानी की आवश्यकता नहीं है, वहां ट्रीटेड वॉटर का उपयोग किया जाए। निर्माण कार्य, सड़क धुलाई, डस्ट कंट्रोल, ड्रेनेज सफाई, बागवानी और सार्वजनिक स्थलों की सफाई जैसे कार्यों में ट्रीटेड वॉटर के उपयोग को निगम प्राथमिकता दे रहा है। महापौर ने स्पष्ट किया कि सचिवालय क्षेत्र के बाहर हाल ही में ड्रेनेज लाइन की सफाई के दौरान डिसिल्टिंग मशीन का उपयोग किया गया था। मशीन द्वारा निकाली गई गंदगी और डॉग वेस्ट की सफाई के लिए ट्रीटेड वॉटर का उपयोग किया गया, जिसे कांग्रेस ने गलत तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश की। उन्होंने कहा

कि यह पूरी प्रक्रिया नगर निगम की मानक सफाई व्यवस्था का हिस्सा है और इसमें किसी प्रकार की अनियमितता नहीं थी। उन्होंने कहा कि नगर निगम पहले ही निर्माण कार्यों में भूजल और पेयजल के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर चुका है। हाल ही में निगम ने ट्रीटेड वॉटर का उपयोग नहीं करने वाले कई निर्माण स्थलों पर कार्रवाई करते हुए काम बंद करवाया था। उद्देश्य साफ है कि नर्मदा और भूजल पर दबाव कम किया जाए।

### अच्छे काम में विवाद कर रहे

महापौर ने कहा कि नगर निगम जरूरत पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से ट्रीटेड वॉटर उपलब्ध कराने के लिए भी तैयार है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जल संरक्षण को राजनीतिक विवाद न बनाया जाए, बल्कि इसे शहर के भविष्य से जुड़ा विषय समझा जाए। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए महापौर ने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य व्यवस्था सुधारना नहीं बल्कि हर गतिविधि में विवाद खड़ा करना बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता उनके निवास के बाहर कैमरे लेकर खड़े रहते हैं और किसी भी दृश्य को राजनीतिक रंग देने का प्रयास करते हैं। महापौर ने कहा कि शहर की जनता सब देख रही है और समझ रही है कि कौन विकास और समाधान की राजनीति कर रहा है और कौन केवल आरोप-प्रत्यारोप में लगा हुआ है। इधर नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में शहर में ट्रीटेड वॉटर नेटवर्क को और मजबूत किया जाएगा ताकि निर्माण गतिविधियों एवं अन्य गैर-पीने योग्य जरूरतों के लिए पेयजल पर निर्भरता कम हो सके।

## यात्री बसों और अन्य वाहनों पर आरटीओ की सख्त कार्रवाई

# सघन जांच अभियान में 65 हजार 500 रुपए जुर्माना वसूला

दैनिक इंदौर संकेत

**महू** ● परिवहन आयुक्त उमेश जोगा एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशनुसार आरटीओ इंदौर तथा संभागीय परिवहन उड़नदस्ता इंदौर द्वारा यात्री बसों एवं अन्य वाहनों के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान विभिन्न वाहन संचालकों से कुल 65 हजार 500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। आरटीओ इंदौर द्वारा धार रोड, राऊ एवं पीथमपुर क्षेत्र में यात्री वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। साथ ही वाहनों का तकनीकी निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया गया कि वे फिटनेस एवं परमिट की शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं। अभियान के दौरान फायर सेफ्टी उपकरणों एवं स्पीड गवर्नर की कार्यप्रणाली भी जांची गई। अधिकारियों ने यात्रियों से फीडबैक लेकर यह भी जानकारी प्राप्त की कि वाहन चालक तेज गति से वाहन तो नहीं चला रहे हैं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग तो नहीं करते हैं। यह कार्रवाई आरटीओ प्रदीप शर्मा एवं परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी आकाश सिटोले के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल एवं शैक्षणिक संस्थाओं की बसों में सुरक्षा मानकों की पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु इंदौर जिले में स्कूली एवं कॉलेज वाहनों की आकस्मिक जांच का अभियान लगातार जारी रहेगा।

# इंटरनेशनल रैंकिंग में फिर से सुधार के लिए तैयारी में जुटा इंदौर एयरपोर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंटरनेशनल रैंकिंग में लगातार पिछड़ रहे इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने अब यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की कवायद शुरू कर दी है। जिन सुविधाओं की कमी के कारण एयरपोर्ट की रैंकिंग गिरी थी, अब उन्हीं बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एयरपोर्ट पर 14 नए शॉपिंग आउटलेट शुरू किए गए हैं, जहां महेश्वरी साड़ी, स्थानीय हस्तशिल्प, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पाद बेचे जा रहे हैं। दरअसल, हाल ही में जारी एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी और इंटरनेशनल रैंकिंग रिपोर्ट में इंदौर एयरपोर्ट ऑल टाइम लो रैंकिंग पर पहुंच गया है। कभी देश के टॉप एयरपोर्ट्स में शामिल रहने वाला इंदौर एयरपोर्ट अब 13 वें पायदान तक खिसक गया है। रिपोर्ट में चार्जिंग स्टेशन की कमी, रेस्टिंग और एंटरटेनमेंट जोन का अभाव, फ्लाइट जानकारी के अपडेट में देरी, टॉयलेट मेंटेनेंस और फूड आउटलेट्स की गुणवत्ता जैसे मुद्दों को प्रमुख कारण

माना गया। नई सुविधाओं से रैंकिंग में फिर सुधार लाने की कोशिश की जा रही है।

**मालवा-निमाड़ की पहचान को बढ़ावा देने की कोशिश**-एयरपोर्ट प्रबंधन अब यात्रियों के अनुभव को 'एयरपोर्ट से जुड़े शहर के कल्चर' से जोड़ने की कोशिश कर रहा है। एयरपोर्ट परिसर में स्थानीय उत्पादों और मालवा-निमाड़ की पहचान को बढ़ावा देने वाले रिटेल स्टोर शुरू किए गए हैं। यात्रियों को अब एयरपोर्ट पर ही महेश्वरी साड़ियां, मालवा की कलाकृतियां और लोकल ब्रांड्स खरीदने का विकल्प मिल रहा है। बेहतर शॉपिंग, साफ-सफाई, आधुनिक सुविधाएं से रैंकिंग सुधारेगी।

# जल संकट : जनता पानी के लिए करती पुकार अब तो सुन लो सरकार

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर में जहां पानी की कमी को लेकर लगातार चक्का जाम रैली और प्रदर्शन हो रहे हैं तो वहीं इंदौर नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने मीडिया को बताया कि पानी की पूर्ति के लिए कई अतिरिक्त टैंकर भी चलाए जा रहे हैं नर्मदा के माध्यम से भी पानी सप्लाई हो रहा है और बोरिंग के माध्यम से भी हो रहा है अतिरिक्त टैंकर भी लगाए गए और जहां निर्माण कार्य हो रहे हैं

वहां पर भी रियूज पानी का इस्तेमाल करने की अपील की है और जहां पर ऐसा नहीं होता है कार्रवाई की जाएगी ताकि पानी की कमी को कंट्रोल किया जा सके।

पिछले दिनों पानी के संकट को सत्ताधारी दल के विधायक महेंद्र हार्डिया भी और पार्षद भी महापौर को कड़े शब्दों में अवगत करा चुके हैं तब लग रहा था कि पानी की समस्या दूर होगी लेकिन उसके बाद भी कई जगहों पर पानी के लिए मांग और विरोध जारी रहा। अब देखना होगा कि पानी के इस संकट से कैसे नगर निगम और महापौर पानी की समस्या से निजात इंदौर की जनता को दिलाते हैं?

### उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों में उत्साह

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया 2026-27 अंतर्गत प्रथम चरण में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक पंजीयन एवं प्रवेश प्रक्रिया में सहभागिता की जा रही है। अभी तक स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीईई पाठ्यक्रमों में कुल 2,78,742 पंजीयन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 2,10,460 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। प्रथम चरण में अब तक कुल 87 हजार 687 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिनमें स्नातक स्तर पर 70 हजार 752 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 16 हजार 935 विद्यार्थियों ने प्रवेश सुनिश्चित किया है।

### यूनिक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने शुरू किया हाइपरटेंशन क्लिनिक

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● बदलती जीवनशैली, तनाव और अनियमित खानपान के कारण हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसी गंभीर स्वास्थ्य चुनौती को ध्यान में रखते हुए अन्नपूर्णा रोड स्थित यूनिक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने शहर में समर्पित हाइपरटेंशन क्लिनिक की शुरुआत की है। यह क्लिनिक विशेष रूप से उन मरीजों के लिए तैयार किया गया है, जिन्हें उच्च रक्तचाप की समस्या है या जो इससे जुड़ी जटिलताओं के जोखिम में हैं। हाइपरटेंशन क्लिनिक का उद्घाटन इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट एवं गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. वत्सल कयाल तथा कंसल्टेंट मेडिसिन डॉ. सुहानी कयाल द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान अस्पताल के चिकित्सक एवं स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

### एनआईटीटीटीआर में तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 3 से

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल द्वारा 3 से 5 जून तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों से 60 प्राध्यापकों का चयन किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल सिद्धांतों, सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन शिक्षा पद्धति और समकालीन शिक्षा में इसकी उपयोगिता से विद्यार्थियों का परिचय कराना है।

## आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई : 40.5 बल्क लीटर अवैध शराब व दो वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● इंदौर जिले में अवैध मदिरा के क्रय-विक्रय और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र जोशी के नेतृत्व में गुरुवार को को वृत्त-बंबई बाजार के प्रभारी उप निरीक्षक मीरा सिंह की टीम के द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। गस्त के दौरान शंका के आधार एक एक्टिवा दोपहिया वाहन की पलसीकर मेन रोड की ओर एक थैले में कुछ भरकर ले जा रहा था, 22.5 बल्क लीटर देशी मदिरा बरामद हुआ। मदिरा एवं वाहन का अनुमानित मूल्य 54500/- रुपये है। आरोपी अमित पिता रामलखन शर्मा निवासी श्रुष्टि पैलेस छोटा बांगड़दा इंदौर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अमित की सूचना के आधार पर एक अन्य दो पहिया वाहन से अवैध मदिरा जप्त किया गया। एक हीरो स्प्लेंडर महूनाका मैन रोड की ओर जा रहा था, जिसे पुलिस दल द्वारा रोका गया। बाईक चालक बोरे में भरकर 100 पाव देशी मदिरा (50 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 50 पाव देशी मदिरा मसाला) कुल 18 बल्क लीटर देशी मदिरा लेकर जा रहा था, जिसे वाहन सहित जप्त किया गया।

### गर्मी की प्रचंडता को देखते हुए शिक्षकों का शैक्षणिक सत्र 15 जून से प्रारंभ करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● म.प्र.शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी एवं आलोक परमार कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष इंदौर ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से पत्र के माध्यम से प्रचण्ड

गर्मी को देखते हुए शिक्षक हित में शिक्षकों का ग्रीष्म अवकाश 14 तक बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में समूचे मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिलों में तापमान लगभग 45 डिग्री से अधिक की स्थिति में है। शासन के मौसम विभाग द्वारा जनहित में एडवाइजरी भी जारी की जा रही है कि लोग इस प्रचंड धूप एवं लू से बचने का प्रयास करें, वहीं दूसरी ओर स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश अनुसार प्रदेश के समस्त लाखों शिक्षकों का शैक्षणिक सत्र 1 जून से प्रारंभ किए जाने के आदेश हैं। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रांत अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी, प्रमुख महामंत्री किशन रजक, प्रांतीय महामंत्री कमलेश त्रिपाठी, राजीव पाठक, अनिल नामदेव, अकील अंसारी, कार्यकारी प्रांत अध्यक्ष आलोक परमार, शशि भूषण तिवारी ने आग्रह किया है कि शिक्षकों की जीवन रक्षा को दृष्टिगत रखते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र 15 जून से प्रारंभ किया जावे।

### एसएसटीडी के कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

**इंदौर** ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह बुधवार की शाम एसएसटीडी अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी 15 जिलों के अधीक्षण यंत्रियों एवं एसटीडी प्रभारियों से चर्चा कर अपने अपने क्षेत्र के कार्य समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। एनएचआई, रेलवे, वन विभाग से अनुमति समय पर प्राप्त कर कार्य की प्रगति के लिए निर्देशित किया गया। श्री सिंह ने कहा कि नए ग्रिड, 33 केवी लाइन, 11 केवी लाइन, ट्रांसफार्मर, पावर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि इस तरह के कार्यों से लाखों उपभोक्ताओं के लिए और ज्यादा गुणवत्ता के साथ बिजली मिलेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एसएल करवाड़िया, मुख्य अभियंता अचल जैन, अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक संजय मालवीय, सुनील पटौदी, मुख्य वित्त अधिकारी श्री अजयपाल सिंह अवास्या, राजेश माहौर, आरबी दोहरे, शहर अधीक्षण यंत्री डीके गाठे, विनोवा तिवारी आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

# रंगवासा शराब ठेकेदार ने गांवों में बना दिए अवैध शराब के अड्डे

निलेश चौहान : 94250-77209

**देपालपुर** ● दैनिक इंदौर संकेत

क्षेत्र में आबकारी विभाग के नियमों और दावों को ठेंगा दिखाते हुए ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। आरोप है कि रंगवासा शराब दुकान का ठेकेदार संतोष मालवीय नियमों को ताक पर रखकर मुख्य मार्गों, ढाबों और गुमटियों पर खुलेआम शराब बिकवा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा कथित तौर पर 'कच्ची डायरियों' के दम पर अवैध शराब बेचने के ठेके बांटे जा रहे हैं।

**पुलिस और आबकारी की कार्यप्रणाली पर सवाल**-इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एक तरफ जहां विभाग अवैध परिवहन पर कार्रवाई का दावा करता है, वहीं गांवों में स्थाई रूप से चल रहे इन अड्डों पर शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रहा है।

### गांव-गांव में खुलेआम छलक रहे जाम

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि कभी आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंचती भी है, तो मात्र 10-15 क्वार्टर की जब्ती दिखाकर खानापूर्ति कर ली जाती है। इसके बाद अखबारों में बड़ी-बड़ी सुर्खियां बटोरकर अधिकारी शांत बैठ जाते हैं। हाल ही में आबकारी विभाग के एरिया इंचार्ज भगवानदास अहिरवार ने चार से पांच गांवों में कार्रवाई की थी। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी के गांव से बाहर निकलते ही उन्हीं अड्डों पर दोबारा शराब की बिक्री शुरू हो गई। इस अव्यवस्था को देखकर अब ग्रामीण खुलकर यह सवाल उठाने लगे हैं कि क्या यह पूरा अवैध कारोबार जिम्मेदार अधिकारियों की कथित मिलीभगत और संरक्षण में फल-फूल रहा है।

शराब ठेकेदार संतोष मालवीय ने खुलेआम आबकारी विभाग को ठेंगा दिखाया है जानकारी में पता चला ठेकेदार द्वारा एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब और बियर का विक्रय किया जा रहा है एक तरफ तो विभाग ने क्यूआर कोड जारी किया हुआ है एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब नहीं बेच सकते लेकिन देखने में आया है प्लेन और मसाला शराब पर 10 से 20 रुपए ज्यादा लिए जा रहे हैं इतना ही नहीं बियर की बोतल पर 30 रुपए से अधिक की वसूली की जा रही है उसके बावजूद भी आबकारी विभाग कुंभकरण की नींद सोया है हाल ही में इंदौर की एक शराब दुकान पर एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब बेची जा रही थी वहां भी क्षेत्र के एसडीएम ने छापा मार कार्रवाई की थी लेकिन सवाल यह है क्या रंगवासा शराब दुकान पर अवैध शराब को लेकर कार्यवाही की जाएगी क्या एमआरपी से अधिक मूल्य पर बिक रही शराब के दाम कम किए जाएंगे या फिर शराब ठेकेदार संतोष मालवीय खुलेआम आबकारी विभाग को चुनौती देगा एक तरफ देखा जाए तो आबकारी अधिकारियों के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। ना नियम, ना कानून, ना कायदे, इन सभी को जेब में रखकर काम करता शराब ठेकेदार संतोष मालवीय पर आबकारी विभाग नकेल कसेगा या फिर ऐसे ही शासन प्रशासन के नियमों की धज्जियां उड़ती रहेंगी।

**इन गांवों में बने अवैध ठिकाने**

क्षेत्र के अगराड़ी, अटावदा, नेवरी, दौलताफाटा और गिट्टी खदान सहित आसपास के दर्जनों गांवों में अवैध मिनी शराब दुकानें खुल चुकी हैं, जहां बेखौफ होकर शराब परोसी जा रही है। इस संबंध में जब स्थानीय स्तर पर ठेकेदार पक्ष से जानकारी लेने का प्रयास किया गया, तो उनका तर्क था कि 'हमने भी सरकार को पैसा दिया है।' ऐसे में स्थानीय जनता के बीच यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि क्या ठेकेदारों को लाइसेंस शुदा तय दुकान के अलावा गांव-गांव किराना दुकानों की तरह शराब बेचने की छूट मिली हुई है?

सांध्य दैनिक
# इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 28 मई 2026

**न्यूज ब्रीफ**

### कामदा एकादशी पर भगवान टीकमजी का वेद मंत्रों के बीच किया अभिषेक,हुआ विशेष श्रृंगार

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • पंचकुईया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम पर अधिक मास की कामदा एकादशी के अवसर पर भगवान टीकमजी का वेद मंत्रों के बीच अभिषेक किया। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज ने बताया कि कामदा एकादशी पर बुधवार को सुबह भगवान टीकमजी का आचार्यो ब्राह्मणों के वैदिक मंत्रोच्चार से दूध,दही,शहद, पंचामृत सहित अनेक औषाधियो, सुगांधित द्रव्यो व अनेको प्रकार के फलो के रस और देव नदियों के जल से अभिषेक किया । अभिषेक के साथ ही विष्णु सहस्त्रनाम जाप किया। महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज ने अभिषेक कर भगवान से सुख समृद्धि की कामना की । प्राचीन गौशाला में सभी गौमाताओ का पूजन अर्चन कर गौसेवा की गई । दोपहर में भगवान टीकमजी का विशेष श्रृंगार कर भोग अर्पण किया व महाआरती की गई ।

### राम वन गए, इसीलिए बन गए.....- पं श्रीराम प्रपन्नाचार्य

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • चरित्र मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी होता है। आज हमारी युवा पीढ़ी चरित्र के मामले में भटक रही है। नैतिक मूल्यों और संस्कृति से विमुखता के कारण समाज में अनेक विकृतियाँ आ रही हैं। प्रभु श्रीराम ने अपने वनवास काल में समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों को गले लगाकर हजारों बरस पहले अन्त्योदय का सन्देश दे दिया था। राम-केवट प्रसंग रामायण का सबसे अनूठा और अनुकरणीय प्रसंग है। भगवान का समूचा चरित्र निर्दोष है इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। राम वन गए, इसीलिए बन गए। ये प्रेरक विचार हैं श्रीधाम वृन्दावन के प्रख्यात कथाकार पं. श्रीराम प्रपन्नाचार्य महाराज के, जो उन्होंने हवा बंगला, कैट रोड स्थित हरिधाम आश्रम पर चल रही राम कथा में बुधवार को प्रभु श्रीराम के वनवास गमन के विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान व्यक्त किए।

### जीवन को मोक्ष की ओर प्रवृत्त करना है तो भागवत की शरण जरुरी - पं. शर्मा

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • भागवत वह कथा है जो जन्म जन्मान्तर के पुण्योदय के बाद नसीब होती है। भागवत को चाहे कल्पवृक्ष कह लें, महासागर अथवा सदगुणों का खजाना-सबका सार यही है कि जीवन को मोक्ष की ओर प्रवृत्त करना है तो भागवत की शरण जरुरी है। भगवान के अवतार सज्जनों के कल्याण और दुर्जनों के विनाश के लिए ही होते हैं। रामायण जीना सिखाती है और भागवत मरना अर्थात मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग दिखाती है। राजस्थान के प्रख्यात भागवताचार्य पं. सतीशचन्द्र शर्मा ने बुधवार को मालवा मील अग्रवाल पंचायत की मेजबानी में अग्रवाल धर्मशाला, वाय एन रोड पर चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में शुकदेव जन्म एवं अमरनाथ कथा प्रसंग के दौरान उक्त प्रेरक विचार व्यक्त किए।

### अ.भा. अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिनी बैठक

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक का आयोजन 30-31 मई को एबी रोड, राऊ चौराहा के आगे सिमचा आइसलैंड पर आयोजित की गई है। संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल के सानिध्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण मित्तल कुक्की (इंदौर) की अध्यक्षता में होने वाली इस दो दिवसीय बैठक का शुभारंभ शनिवार 30 मई को दोपहर 1 बजे से होगा। बैठक में समाज से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार मंथन कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएँगे।

# निकायों की सेहत-सुधारने छठे वित्त आयोग की 88 सिफारिशें तैयार

## मप्र अपनी राजस्व आय का 6% ही निकायों-पंचायतों को दे रहा

**भोपाल (एजेंसी)** • नगरीय निकायों और पंचायतों को मदद देने के मामले में मप्र देश में 10वें नंबर पर है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्य अपने राजस्व का 40 से 45% प्रतिशत हिस्सा स्थानीय निकायों को देते हैं, जबकि मप्र अपनी राजस्व आय का 6% हिस्सा यानी 6000 करोड़ रुपए ही हर साल देता है। अब इसे बढ़ाकर 10% यानी 11 हजार करोड़ रुपए तक किया जाएगा। छठे वित्त आयोग ने जो ड्राफ्ट तैयार किया है, उसमें ये बिंदु शामिल है। आयोग 31 अक्टूबर को पांच साल के लिए अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को सौंपेगा। मप्र में 413 नगरीय निकाय और 23 हजार पंचायतें हैं। वित्तीय संसाधनों के बंटवारे में 7.75% पंचायतों की और 2.25% नगरीय निकायों की हिस्सेदारी है। सरकार द्वारा पांच साल में दी जाने वाली हिस्सेदारी 50 हजार करोड़ रुपए होगी। इसके अलावा केंद्रीय 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर राज्य को स्थानीय निकायों के लिए 56,100 करोड़ रुपए अलग से मिलेगा। इस तरह हर साल मप्र में स्थानीय निकायों के बेहतर प्रबंधन के लिए हर साल 20 हजार करोड़ रुपए की मदद मिलेगी। इस राशि से पानी, सफाई आदि की व्यवस्था की जा सकेगी।

### जितनी कमाई... उससे दोगुना तक बजट पेश

**भोपाल नगर निगम :** वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 3938.45 करोड़ रु. का बजट पेश किया है। हर वार्ड में 50 लाख खर्च करने का प्रावधान है। लोकल फंड आडिट की रिपोर्ट के मुताबिक नगरीय निकाय की कुल राजस्व प्रासियां 2000 करोड़ तक ही हैं।

**इंदौर नगर निगम:** 2026-27 के लिए 8455 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। यह बजट शहर के विकास, मास्टर प्लान की सड़कों, पानी की आपूर्ति और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है। लेकिन, निगम की समस्त करों से आय 4400 करोड़ रुपए ही है।

### ये हैं आयोग की प्रमुख सिफारिशें

- हर साल दो किस्तों में सरपंचों को 8 लाख रुपए विकास कार्यों के लिए दिए जाएं। जिला पंचायत अध्यक्ष को 70 लाख व जनपद पंचायत अध्यक्ष को 30 लाख तक दिए जाएं।
- हर जगह प्रति व्यक्ति 135 लीटर पानी मिलना चाहिए। अभी उज्जैन में 165 लीटर, इंदौर में 98, ग्वालियर में 123 और कटनी में 110 लीटर है। छोटे शहरों में 50 ली. है।
- जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, बुरहानपुर, रतलाम, सतना व सागर जैसे शहरों में अग्निशमन संसाधनों में कमी है। 50 हजार आबादी पर एक फायर ब्रिगेड होना चाहिए।
- नए निकायों के लिए सीड मनी हो। नगर पालिक निगम में कुल आबादी पर प्रति व्यक्ति 100 रुपए और नगरपालिका में यह 50 रुपए प्रति व्यक्ति जरूरी है।
- कई निकायों में स्थापना व्यय 65% तक पहुंच चुका है। आठवां वेतनमान लागू होने पर इनकी वित्तीय स्थिति और ?बिगड़ेगी।

## शिक्षकों एवं छात्रों के ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक बढ़ाने की मांग, शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

**भोपाल (एजेंसी)** • मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने आज मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से भेंट कर प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक बढ़ाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में उज्जैन संभाग के संभागीय सचिव दिग्विजय सिंह चौहान, उज्जैन जिला कोषाध्यक्ष सीताराम सिसोदिया तथा भोपाल संभाग के संगठन मंत्री श्री विनोद मालवीय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि वर्तमान समय में पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप जारी है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून तक बढ़ाया जाना आवश्यक है। शिक्षा मंत्री राहुल उदय प्रताप सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बात को गंभीरतापूर्वक सुना और तुरंत ही नोट शीट बनवाकर विभाग को भिजवा दी गई है। विभाग से शीघ्र ही आदेश होने की संभावना है। शिक्षा मंत्री के सकारात्मक और तुरंत नोट शीट बनवाने पर प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

## पैसा कमाना जरुरी है लेकिन धर्म करना उससे भी ज्यादा जरूरी है: मुनि आदित्यसागरजी

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • तीर्थ स्वरूप दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में तीन दिवसीय प्रवास पर पधारे श्रंमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के कुल गोरव श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर जी महाराज ने आज अपनी मंगल देशना तीर्थ स्वरूप दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में प्रवचन देते हुए जीवन के उन्नयन की चर्चा करते हुए सही जीवन जीने की कला सिखाई । आपने कहा कि धन कमाने की धुन में लोग 60/70 वर्ष तक लगे रहते हैं। धन कमाना जरुरी है लेकिन धर्म करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। मुनिश्री ने आगे कहा कि जो व्यक्ति भोगों में आसक्ति कम कर संकलेष एवं चिंता रहित समर्पण विश्वास और श्रद्धा पूर्वक भगवान की भक्ति करता है वह निरोगी रहकर लंबा जीवन जीता है। भोग वृत्ति एवं संकलेषता रोग उत्पन्न करती है। आपने निरोगी एवं सार्थक जीवन जीने की चर्चा करते हुए कहा कि जो व्यक्ति सूर्योदय के पूर्व उठता और सूर्यास्त के पूर्व भोजन ग्रहण करता है, खानपान में भक्ष अभक्ष का ध्यान रखता है और भोजन ग्रहण करने के बाद सो कदम चलताऔर वज्रासन में बेठता एवं व्यसन मुक्त एवं तनाव रहित धर्ममय जीवन जीता है उसका जीवन सार्थक जीवन है। प्रवचन के पूर्व मुनि श्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डॉ जैनेंद्र जैन ने प्रकाश डाला।

## राम और कृष्ण के बिना भारत भूमि की कल्पना भी संभव नहीं

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • राम नाम की भक्ति का बीज समूचे ब्रह्माण्ड को लहलहा देता है, तो हमारे कृष्ण की भक्ति का माधुर्य भी समूचे विश्व को आज तक प्रेम एवं रस के बंधन में बांधे हुए है। राम भारत भूमि के रोम-रोम में व्याप्त है, तो कृष्ण भी कण-कण में मिल जाएँगे। राम और कृष्ण के बिना भारत भूमि की कल्पना भी संभव नहीं है। इतिहास संग्रह करने वालों को नहीं, त्याग करने वालों को याद रखता है। भौतिकवाद की चकाचौंध में फंसकर हम आधुनिकता के सम्मोहन में खोकर सनातन संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। हमारे भागवत जैसे धर्म ग्रन्थ ही हमें सही दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

ये दिव्य विचार हैं श्रीधाम वृंदावन के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद के, जो उन्होंने बुधवार को गीता भवन सत्संग सभागृह में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में मातुश्री श्रीमती कमलादेवी-बाबूलाल मंगल की पुण्य स्मृति में चल रहे श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस पर राम एवं कृष्ण जन्म प्रसंग के दौरान व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पहले व्यासपीठ का पूजन प्रमुख संयोजक संजय-किरण मंगल, बिनोद-सुनीता अग्रवाल, गोपाल मंगल, विनीता-अक्षत अग्रवाल, चंचल अग्रवाल आदि ने की।

## प्रभावी मैंटेनेंस के कारण बिजली आपूर्ति की शिकायतें घटी

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के निर्देश एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान के मार्गदर्शन में आपूर्ति सुधार सतत करने के साथ ही बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण में गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसी के कारण मालवा निमाड़ क्षेत्र में बिजली संबंधी शिकायतों में कमी दर्ज हुई है। कंपनी क्षेत्र में करीब 62 लाख उपभोक्ता हैं, 26 अप्रैल को कंपनी क्षेत्र में आपूर्ति संबंधी शिकायतों की संख्या 9969 थी, यह संख्या 26 मई को घटकर 8841 तक पहुंच गई। इस तरह एक माह के दौरान आपूर्ति संबंधी शिकायतें करीब बारह प्रतिशत कम हुई है। कंपनी के 1912 केंद्रीयकृत कॉल सेंटर पर आईवीआर तकनीक प्रभावी हैं, इसमें बगैर बात कर सिर्फ बटन दबाकर भी बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। वहीं कंपनी के ऊर्जस एप पर भी शिकायतें आसानी से दर्ज कराई जा सकती हैं, दर्ज शिकायतों का सतत मानिटरिंग होती हैं, समय पर समाधान कर शिकायत कर्ता से निराकरण के उपरांत पुनः चर्चा कर पुष्टि की जाती हैं।

### शहर में 1.61 करोड़ यूनिट बिजली आपूर्ति

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के इंदौर शहर वृत्त अंतर्गत 26 मई को एक करोड़ 61 लाख यूनिट बिजली वितरण हुआ है। यह गत वर्ष समान तिथि से 26 लाख यूनिट अधिक है। 26 मई 26 को इंदौर शहर में बिजली की अधिकतम मांग 732 मैगावाट रिकार्ड की गई।

## योग और खजुराहो दोनों भारतीय संस्कृति के हैं अभिन्न स्तंभ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय योग परम्परा को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर स्वस्थ, जागरूक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग और खजुराहो, दोनों ही सदियों से भारतीय संस्कृति के अभिन्न स्तंभ रहे हैं। हमारी सरकार योग के प्रचार के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। योग को प्रदेश के घर-घर तक पहुंचाने के लिए आयुष विभाग द्वारा इन दिनों ' 'घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग' अभियान भी चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के 25 दिवसीय काउंटडाउन के अवसर पर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में आयोजित 'योग महोत्सव 2026' कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि योग आज सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि 'वन अर्थ-वन हेल्थ' की भावना को साकार करने वाला जीवन दर्शन बन चुका है। मप्र सरकार घर-घर योग हर व्यक्ति निरोध के भाव से योग और आयुष चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। आयुष विभाग के माध्यम से आरोग्य मंदिरों, योग वेलनेस सेंटर्स व विभिन्न जनजागरुकता की गतिविधियों के माध्यम से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सफल अभियान चलाया जा रहा है।

### बाल विवाह रोकथाम को लेकर मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** •बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी' के रूप में अधिसूचित किया है। यह निर्णय बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 16 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत लिया गया है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे बाल विवाह की रोकथाम, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब बाल विवाह रोकने के लिए एक बेहद मजबूत और त्रि-स्तरीय से भी बड़ा प्रशासनिक तंत्र काम करेगा।

### 'श्रम प्रहरी' बन अपंजीकृत संस्थानों की जानकारी देकर श्रमिक कल्याण में करें योगदान

**दैनिक इंदौर संकेत**

**इंदौर** •श्रमिकों को सुरक्षित कार्यदशाएं और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आम नागरिक 'श्रम प्रहरी' के रूप में आगे आकर अपंजीकृत संस्थानों और निर्माण स्थलों की गोपनीय सूचना दे सकते हैं, जिससे श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ लक्षित वर्ग तक सुचारू रूप से पहुँचाया जा सके। श्रमिकों के हितों के संरक्षण और कार्यस्थल पर उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए सभी संस्थानों एवं निर्माण स्थलों का श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीयन होना अनिवार्य है, पंजीकरण न होने की स्थिति में श्रमिक सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। श्रम विभाग द्वारा कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए वर्तमान में संचालित व पंजीकृत निर्माण कार्यों, अति-खतरनाक और अन्य कारखानों की ऑनलाइन सूची विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर सार्वजनिक कर दी गई है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

# सम्पादकीय

## समंदर के रास्ते 'सफेद जहर' की दस्तक, मुंद्रा तट बना तस्करों की पहली पसंद

गुजरात के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसकी लंबी तटरेखा है और बड़ी संख्या में पंजीकृत छोटे जहाजों और नावों की निगरानी करने के लिए माकूल व्यवस्था का होना बेहद जरूरी है। देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता काला कारोबार एक गंभीर समस्या बन गया है। शहरों से लेकर गांवों तक इसका जाल तेजी से फैल रहा है। विदेश से भी बड़े पैमाने पर जमीन और समुद्र के रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल ही में तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने संयुक्त अभियान में मुंद्रा तट पर एक जहाज से करीब 1,150 करोड़ रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किया है। सवाल है कि गुजरात नशीले पदार्थ का पारगमन केंद्र क्यों बनता जा रहा है? राज्य में पिछले कुछ वर्षों से सुरक्षा बल इस तरह की गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। इसके बावजूद अगर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही है, तो इसकी क्या वजह हो सकती है। सुरक्षा एजंसियां आखिर उन लोगों तक क्यों नहीं पहुंच पाती हैं, जो इतने बड़े पैमाने पर समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं और उसे देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाते हैं। गौरतलब है कि गुजरात के मुंद्रा तट पर यह पहली बार नहीं है, जब समुद्र के रास्ते लाई गई नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। वर्ष 2021 में तो इक्कीस हजार करोड़ रुपए के तीन हजार किलो नशीले पदार्थ यहां जब्त किए गए थे। उस समय यह सबसे बड़ी बरामदगी बताई गई थी। उसके बाद ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की खेप मंगाता कौन है? इसकी व्यापक रूप से जांच किए जाने की जरूरत है, ताकि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके। गुजरात के लिए सबसे बड़ी चुनौती उसकी लंबी तटरेखा है और बड़ी संख्या में पंजीकृत छोटे जहाजों और नावों की निगरानी करने के लिए माकूल व्यवस्था का होना बेहद जरूरी है। व्यापार और सुरक्षा के लिहाज से यह तटरेखा संवेदनशील है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि उन संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसा जाए, जो विदेश से तस्करी के जरिए देश में नशे का जाल फैला रहे हैं।

# इंदौर शहर की पानी की विकट स्थिति के लिए हम ही जिम्मेदार और हमें ही हल निकालना होगा

इंदौर शहर की भौगोलिक स्थिति भारतवर्ष में वर्षा छेत्र के हिसाब से बहुत ही अलग है। इंदौर शहर के एक और जहां नर्मदा बेसिन लगता है वही देव गुराडिया की पहाड़ी के बाद इंदौर शहर गंगा बेसिन में आता है। साधारण भाषा में हमार शहर भारत के मध्य क्षेत्र की चोटी पर स्थित है, इसके दोनों और ढलान है।इसलिए यहां पर वर्षा का कोई जल कहीं और से बहुत दूर से अधिक मात्रा में बह कर नहीं आता है। यहां की पहाड़ियों वो देवगुराडीया की पहाड़ी हो चाहे रालामंडल की पहाड़ी हो, वहां से पानी निकल कर, इंदौर शहर का पानी लेते हुए शिप्रा की ओर बह निकलता है। इसकी वजह से बरसात के पानी के स्रोत के अलावा इंदौर में और कहीं कोई पानी का स्रोत स्थाई नहीं है। इसलिए इंदौर के जल प्रबंधक दशको पहले से सरस्वती और कान्हा नदी पर जगह-जगह पर पानी को रोककर, स्टॉप डैम बनाकर, जगह-जगह पर छोटे-छोटे तालाब जो 50 से ज्यादा संख्या में कभी थे ,सैकडो कुएं ओर बावडीओ, के द्वारा इंदौर के पीने की पानी की व्यवस्था और भूजल स्तर को बनाए रखने की व्यवस्था करी थी। जो आज छिन्न-भिन्न होकर शहर से नदारत है।

इंदौर की आज की स्थिति मे कॉलोनी, खेल के मैदान और भवनो को देखते हैं,एक बात ध्यान में आती है की, इन सब जगह पर बरसात के पानी को जल्द से जल्द निकालकर, जगह को सुखा बनाने की होड लगी है।शहर के अधिकतर बगीचे, रोड से ऊपर बनाया जाने लगे हैं, और उससे हो यह रहा है कि जो पानी सड़कों से होकर बगीचों में जमा होकर भुजल स्तर को बढ़ाते हुए होने थे, वह ना होते हुए बगीचे का पानी सड़कों पर आकर जल्द से जल्द बरसात की नाली सै होते हुए नदी नालों के माध्यम से बहा देते है। वही इंदौर के अधिकतर भवनों में बगीचे की या हरियाली की जगह है ही नहीं और है भी तो उसकी जो ऊंचाई है, वह पाथवे से ऊपर रखे गयी हैं। और यहां भी पाथवे का पानी बगीचे में जमा होकर नीचे जाना वाला होना चाहिए था उसके बदले बगीचे का या खुली जगह का पानी भी पाथवे पर आकर मुख्य सड़क पर आ जाता है। वहां से वह अपनी अंतिम यात्रा शुरू कर देता है। और शहर बीन पानी होता जा रहा है।

मकान के निर्माण में खास करके बहुमंजिला भवन के निर्माण में, खुला क्षेत्र,बगीचे आदी भी इसी तरह गलत बनाए ओर रखें जा रहे हे।

इसी प्रकार कानूनन और नगर निगम की अनुमति में जो रिचार्जिंग कार्य करने का कहा है ,उसे भी मात्र दिखावटी तौर पर खानापूर्ति के तौर पर बनाकर हर मकान मालिक अपने कर्तव्य की ईतीश्री मान लेता है। उसको जाचने का, और सर्टिफाइड करने का ,कोई तंत्र कहीं भी नहीं हे।इससे जल पुनर्भरण का कार्य इंदौर में एक औपचारिकता बन कर रह गया है। जहां रीचार्जींग पीट बने भी है वैज्ञानिक तरीके से, उसके रखरखाव के लिए भी कोई तंत्र नहीं है। जो समय-समय पर इसके रखरखाव की जांच कर सके और करवा सके। इसेके गंभीर परिणाम इस वर्ष हम देख रहे हैं कि, इंदौर में अधिकतर बोरिंग सूखने लगे हैं।6500 सरकारी मे 3500 बोरींग सुख गये हे। व्यक्ति गत बोरींग की संख्या इससे कही अधिक होगी।और हमारा इंदौर जल समस्या के खतरनाक मुहाने पर खड़ा है। जबकि गत वर्ष पानी भी अच्छा गिरा था। आने वाले साल में मानसून की जो भविष्यवाणी सुनने में आ रही है, उसके अनुसार 92%प्रतिशत मानसून आने की संभावना है। जो कम वर्षा का संकेत है ।यदी अभी भी हमारा व्यवहार मानसून के पानी के साथ एसा ही रहा तो, निश्चित ही अगले साल फरवरी मार्च से ही हमारे बोरिंग, शहर का साथ छोड़कर बहुत ही गंभीर स्थिति शहर के सामने खड़ी करेंगे। इसलिए समय है कि उपरोक्त बातों से सीख कर हम अपने-अपने स्तर पर निम्न कार्य करें , करवाएं और करने के लिए अन्य लोगों को मजबूर भी करें और प्रेरित भी करें।

1निर्माण में पुर्नभरण नीती क्रियान्वयन की आवश्यकता के साथ-साथ हम सब अपने-अपने मकान में, बहुमन जीला भवनो में और कॉलोनी के अंदर ,अगर खुला स्थान नहीं है तो खुला स्थान करवा कर उसे उपलब्ध करवाए।

2 जहां-जहां खुला स्थल, बगीचे ,सड़क से या पाथवे से ऊपर है ,उसे सड़क से पाथवे से कम से कम 300 एम एम,1फिट नीचे करवाएं जिससे कि बरसात में यह पूरा क्षेत्र पानी को सजोकर,जमीन में अंदर जाने की जगह उपलब्ध करवाए

3 सड़क किनारे जो सड़क से ऊपर पेपर लगाए गए हैं, उसे भवन की ओर ढाल देकर लगवाए और पेवर भी ऐसे हो जिसमें जमीन में पानी जाने की,जगह,गैप उपलब्ध हो।

4 छोटे भवनो की खुली जगह में, एक फुट व्यास की 18 से 20 फुट गहरी पाइल करा कर, उसमें ईंट के टुकड़े डालकर और उसके ऊपर नारियल का काथा बीछाकर मोटी रेती बीछाकर पानी को नीचे उतरने की जगह आसान बनाएं ।

4 बड़ी जगहो पर, बड़े बगीचों में, मल्टी में, पानी जमीन मे जहां एकत्रित होता है ,फर्स्ट एक्वीफर, इंदौर शहर में आमतौर पर 100 -120 फीट पर यह पाया जाता है वहां तक बोरिंग करके और ऊपर 10 से 12 फीट गहरा गड्ढा करके पाइप में तीन-तीन इंची 10 एम एम के छेद करके, नारियल की रस्सी लपेट कर दोहरी परत मे । गड्ढे को लाल इटो के टुकडो से भर और ऊपर नारियल काथे को बीछाकर रैत बीछा दे। इससे बरसात का पानी बहुत तेजी से हमारे भूजल को भरने का कार्य भी करेगा और बरसात का पानी एक से दो दिन में जो खुली जगह भरा होगा वह हमारे भविष्य के लिए अंदर जमा भी हो जाएगा। इससे ही शहर को हम आने वाले संकट से बचा सकते हैं। इसे एक आंदोलन का रूप भी हमें देना होगा।

अभी इंदौर के आसपास जितनी भी कालोनियां बन रही है, विकास हो रहा है। उसमें हरियाली के नाम पर दिखावटी पौधे जो विदेशों में लगाए जाते हैं खजूर से लेकर कैक्टस के जो हमारी आबू हवा के किसी भी काम के नहीं है। उसके बदले फलदार और छायादार वृक्ष जिसका घेरा 15 से 20 फीट का कम से कम होता हो, वैसे पेड़ लगाना अनिवार्य करना चाहिए ।हर 500 फीट पर एक पौधा लगाना अनिवार्य हो। शुरुआत मे ही बड़े साइज के हो, जो 3 से 4 साल में एक वृक्ष के रूप में बड़ा हो जाए यह अनिवार्य करना चाहिए ।और इन पेड़ों को काटने की अनुमति जब भी कोई भवन निर्माण करें तो वह स्वतः उपलब्ध हो इसका भी प्रावधान करना चाहिए ।तो ही लोग बड़े पेड़ लगाने की और प्रेरित होंगे। पेड़ लगाने से भयभीत भी आमजन नहीं होंगे। इससे इंदौर के बहुत बड़े क्षेत्र में, आसपास पर्यावरण की रक्षा भी होगी जल पुनर्भरण भी होगा और हमारे तापमान की अंदर भी हमें राहत मिलेगी। इसके लिए राज्य शासन को और स्थानीय शासन को अपने स्तर पर नियमों में भी बदलाव करने होगे।

यह समय है कि हम सब मिलकर आज जो विकट स्थिति है पानी की हे और उसकी जो तकनीकी बात है, शहर का भूगोल है, शहर में हमारा जो गलत निर्माण कार्य हो रहा है, और हरियाली से हम दूर होते जा रहे हैं ,उसे समझ कर तत्काल उपरोक्त अनुसार कार्रवाई कर। शहर को आने वाले समय में भयंकर जल संकट से बचाने में अपना सहयोग कर सकेंगे।

**अतुल शेठ**

# आंचलिक

## गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलटा, दूसरे ट्रक में शिफ्ट किए गए सिलेंडर; कोई जनहानि नहीं

**दैनिक इंदौर संकेत**

**कुक्षी** ●बुधवार को टांडा के आंबासोटी घाट में गैस सिलेंडर से भरा एक ट्रक पलट गया। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ, जब पीथमपुर के भारत पेट्रोलियम गैस डिपो से जोबट जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही गैस सिलेंडरों से कोई रिसाव हुआ। ट्रक में भारत गैस कंपनी के 345 सिलेंडर भरे हुए थे। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडरों का अत्यधिक ऊंचा लोड होने के कारण वाहन घाट में अनियंत्रित हो गया और पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही टांडा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। दुर्घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। जोबट की गैस एजेंसी के संचालक ने, जो स्वयं भी वाहन में सवार थे, दूसरे वाहन की व्यवस्था की। मजदूरों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से सिलेंडरों को सुरक्षित रूप से दूसरे वाहन में स्थानांतरित किया गया।

## खुले गड्ढों और मलबे से हादसे एमपीआरडीसी मौन

**दैनिक इंदौर संकेत**

**धार** ● धार जिले के सरदारपुर-भेसोला स्टेट हाईवे-35 पर लाबरिया से राजोद तक पिछले एक महीने से सड़क किनारे (साइड शोल्डर) की मनमानी खुदाई जारी है। जल निगम और निजी नेटवर्क कंपनियां जेसीबी मशीनों से गहरे गड्ढे कर रही हैं, जिससे सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि एमपीआरडीसी और टोल कंपनी की अनदेखी के चलते यह काम बिना किसी निगरानी के किया जा रहा है। खुदाई से निकली मिट्टी और मुरम लंबे समय तक सड़क किनारे ही पड़ी रहती है, जिससे हाईवे पर फिसलन बढ़ गई है। इसके चलते दोपहिया वाहन चालक लगातार हादसों का शिकार होकर चोटिल हो रहे हैं। निर्माण एजेंसियों ने किसी भी जगह संकेतक या चेतावनी बोर्ड नहीं लगाए हैं, जिससे रात के समय यह स्थिति और भी जानलेवा हो जाती है।

नियमों के अनुसार सड़क या शोल्डर की खुदाई के लिए संबंधित विभाग की पूर्व अनुमति और डामर की मशीन से कटिंग अनिवार्य है, ताकि सड़क की मजबूती प्रभावित न हो। हाईवे

पर इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कई स्थानों पर बिना बैरिकेडिंग किए गहरे गड्ढों को खुला छोड़ दिया गया है। ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि इस मार्ग से रोज स्कूल वाहन, बसें और भारी वाहन गुजरते हैं। ऐसे में बिखरी मुरम और खुले गड्ढे कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। मामले में लापरवाही को लेकर जब एमपीआरडीसी विभाग से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

## भाजपा में खींचतान, निगम के कामों की समीक्षा

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खंडवा** ● भाजपा की गुटीय राजनीति बुधवार को एक बार फिर चर्चा में रही। विधायक ने नगर निगम के कामों को लेकर समीक्षा बैठक बुला ली। इसे सीधे तौर पर पार्टी की ही महापौर के कामकाज की समीक्षा माना जा रहा है। खास बात यह रही कि खुद महापौर की जेठानी ने सांसद प्रतिनिधि के रूप में बैठक में हिस्सा लिया। विधायक और जेठानी ने महापौर की मौजूदगी में अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। दरअसल, खंडवा विधायक कंचन तनवे ने अपने कार्यकाल के दो साल में पहली बार नगर निगम के कामों की समीक्षा की। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि महापौर अमृता यादव से उनकी पटरी नहीं बैठ रही है। यही वजह बताई जा रही है कि उन्होंने अचानक यह बैठक बुला ली। बैठक में विधायक तनवे ने महापौर की जेठानी और प्रदेश महिला मोर्चा की मंत्री चारूलता यादव को भी अपने साथ रखा। हालांकि विधायक कंचन तनवे ने सफाई देते हुए कहा कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल बाहर हैं, इसलिए चारूलता यादव सांसद प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुईं।

### नगर निगम भवन के लोकार्पण में आएंगे मुख्यमंत्री

बैठक में विधायक ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम के नवनिर्मित कार्यालय भवन के लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आएंगे। इस पर महापौर अमृता यादव ने कहा कि उन्होंने भी मुख्यमंत्री से चर्चा की है और उन्हें आमंत्रित किया जाएगा। बताया गया कि नई नगर निगम बिल्डिंग का निर्माण करीब 13 करोड़ रुपए की लागत से हो रहा है। हाल ही में फर्नीचर के लिए अलग से टेंडर जारी किया गया है, जिसे पूरा होने में करीब दो महीने लग सकते हैं।

### बैठक के समापन पर कमिश्नर पर नाराज हुईं महापौर

विधायक ने सवाल-जवाब के बाद बैठक समाप्त करने की बात कही। इसी दौरान निगम कमिश्नर प्रियंका राजावत ने बैठक समाप्ति की घोषणा कर दी। इस पर महापौर अमृता यादव नाराज हो गईं। महापौर ने माइक ऑन कर तेज आवाज में कहा कि, 'आपको दिखाई नहीं देता है, आपने मुझे बोलने का अवसर नहीं दिया।' इसके बाद महापौर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि शहर में फिलहाल जलसंकट की स्थिति नहीं है। शहर को स्वीमिंग पूल की सौगात मिली है और नगर निगम की नई बिल्डिंग लगभग तैयार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पुराने भवन को शॉपिंग मॉल में बदला जाएगा। साथ ही पुराने कुंड और जलस्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है तथा ट्रांसपोर्ट नगर में विस्थापन की प्रक्रिया जारी है।

## यातायात पुलिस का चेकिंग अभियान, 30 वाहनों पर कार्रवाई

**दैनिक इंदौर संकेत**

**धार** ● मनावर में पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर बुधवार को लोक परिवहन और यात्री बसों का सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात पुलिस ने 30 वाहनों के चालान बनाए और 21 हजार रुपये का समन शुल्क वसूला। मनावर-कुक्षी यातायात प्रभारी बंशीलाल कन्नौजे ने बताया कि अभियान के तहत लोक परिवहन और यात्री बसों की फिटनेस, दस्तावेज, परमिट, ओवरलोडिंग, यात्री सुरक्षा व्यवस्था, फायर सेफ्टी उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स और चालक के ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य आवश्यक मानकों की जांच की गई। जिन वाहनों में कमियां पाई गईं, उनके चालकों और संचालकों को समझाइश दी गई और नियमानुसार कार्रवाई की गई। कन्नौजे ने यह भी बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ओवर स्पीड वाहनों की भी विशेष रूप से स्पीड मशीन से निगरानी की गई। अधिक गति से वाहन चलाते पाए गए चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित गति से वाहन चलाने की सलाह दी गई।

## बैंक में 41.58 लाख का गबन मामला, कैशियर, सहायक गणक के बाद ब्रांच मैनेजर सस्पेंड; तीनों के खाते सीज

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खरगोन** ● जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की ठिबगांव शाखा में 41 लाख 58 हजार 95 रुपए के गबन का मामला सामने आया है। इस मामले में कैशियर रितु गोयल और सहायक गणक त्र्यंबक वाणी के बाद अब शाखा प्रबंधक राजेश राठौड़ को भी निलंबित कर दिया गया है। तीनों कर्मचारियों के बैंक खाते भी सीज कर दिए गए हैं। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) संध्या रोकड़े ने बुधवार को शाखा प्रबंधक राजेश राठौड़ पर यह कार्रवाई मॉनिटरिंग में लापरवाही बरतने के आरोप में की। जिला मुख्यालय से गठित वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की एक टीम ठिबगांव शाखा में जांच कर रही है। यह मामला 25 मई को सामने आया, जब कैशियर रितु गोयल अचानक बैंक से गायब हो गईं। काफी देर तक उनके वापस न लौटने पर कर्मचारियों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनके दोनों मोबाइल बंद मिले। इसके बाद शाखा प्रबंधक राजेश राठौड़ ने खरगोन मुख्यालय को इसकी सूचना दी। सीईओ के निर्देश पर ठिबगांव बैंक प्रबंधन ने पंचनामा तैयार किया और 26 मई को जैतापुर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। सीईओ ने पहले कैशियर रितु गोयल और सहायक गणक त्र्यंबक वाणी को निलंबित किया था। 27 मई से जांच टीम ने शाखा में नियमित नगद मिलान और अभिलेखों का भौतिक सत्यापन शुरू किया।

## बीएमडब्ल्यू पुलिस ने पकड़ी, जमीन की लड़ाई के दौरान हथियार रखने का आरोप

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खंडवा** ● पुलिस थाने में बीएमडब्ल्यू कार जब्त किए जाने का मामला सामने आया है। इतनी महंगी कार को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाना शहर में पहली बार माना जा रहा है। मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। जानकारी के अनुसार, शहर के दो प्रतिष्ठित कॉलोनाइजरों के बीच जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद में एक पक्ष पर कार में फरसा जैसे धारदार हथियार लाने और दूसरे पक्ष को धमकाने का आरोप लगा था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया था। मामला पदमनगर थाना क्षेत्र का है, जहां बुधवार को पुलिस ने एक बीएमडब्ल्यू कार को अभिरक्षा में लिया। बताया जा रहा है कि यह कार कॉलोनाइजर अभय जैन की है, जिनका जमीन विवाद कॉलोनाइजर रितेश गोयल से चल रहा है।

**कार में हथियार लाने का आरोप** - कॉलोनाइजर रितेश गोयल के एक कर्मचारी ने एफआईआर दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अभय जैन के पिता

कांतिलाल जैन और बेटे आयुष जैन ने उसके साथ मारपीट की। साथ ही वे कार में हथियार लेकर आए थे और हथियार लहराते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार, इसी कार में फरसे और अन्य धारदार हथियार रखकर लाने का आरोप है। पदमनगर थाना प्रभारी जगदीश जमरे ने बताया कि बीएमडब्ल्यू कार को जैन परिवार के कब्जे से अभिरक्षा में लिया गया है। पूर्व में दर्ज एक अपराध में इसी कार से हथियार लाने का आरोप था। उन्होंने बताया कि मामले में अभय जैन के पिता, बेटे और अन्य लोग आरोपी बनाए गए थे, जिन्हें थाने से ही मुचलके पर छोड़ दिया गया है।

## हिमाचल घूमने गए कारोबारी की मौत, सतलज किनारे हुआ अंतिम संस्कार

**दैनिक इंदौर संकेत**

**खंडवा** ● कपड़ा कारोबारी और 'जींस हाउस' के संचालक मनीष जैन की हिमाचल प्रदेश यात्रा के दौरान दुखद मौत हो गई। दोस्तों के साथ घूमने गए मनीष जैन की तबीयत भारत-चीन सीमा के पास स्थित ऊंचाई वाले इलाके काजा में अचानक बिगड़ गई। ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। ड्राइवर उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 22 मई को मौत की सूचना मिलने के बाद उनके बेटे शांतनु जैन, भाई तपिश जैन और करीबी दोस्त मनीष जैन तुरंत हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हुए। करीब 30 घंटे का कठिन सफर तय कर परिजन काजा पहुंचे और वहीं सतलज नदी के किनारे उनका अंतिम संस्कार कर अस्थियां नदी में प्रवाहित कीं। परिजनों के अनुसार, चारों ओर बर्फ, पत्थर और शून्य डिग्री तापमान के बीच अंतिम संस्कार करना बेहद कठिन था। इस दुर्गम इलाके में स्थानीय निवासी केसन रेपचिक ने लकड़ी, वाहन और ताबूत की व्यवस्था कराकर देवदूत की तरह मदद की। वहीं, हिमाचल पुलिस ने भी त्वरित कार्रवाई करते हुए मानसिक संबल दिया और तत्काल डेथ सर्टिफिकेट जारी कर दिया।

# डी गुकेश दूसरे दौर में हारे, अमरीका के वेस्ली ने हराए, प्रज्ञाननंदा को भी दूसरी बाजी में मात

**ओस्लो (एजेंसी)** • भारतीयों के लिए नॉर्वे शतरंज का दूसरा दिन निराशाजनक रहा। इसमें विश्व चैंपियन डी गुकेश ने आर्मागेडन दौर में वेस्ली सो के सामने घुटने टेक दिए, तो आर प्रज्ञाननंदा को शानदार फॉर्म में चल रहे फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा से हार मिली। फिरोजा ने लगातार दो जीत से छह अंक से टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन को फिर जर्मन के विंसेंट कीमर ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन सात बार के चैंपियन ने आखिरकार आर्मागेडन में जीत हासिल कर ली। दूसरे दौर के आर्मागेडन दौर में निराशाजनक नतीजे के बावजूद गुकेश 2.5 अंक से वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने रहे। प्रज्ञाननंदा और कार्लसन जैसे दिग्गज इस टूर्नामेंट में 1.5-1.5 अंक के साथ सबसे निचले पायदान पर हैं। प्रज्ञाननंदा शुरुआत में फिरोजा के खिलाफ जीत की ओर बढ़ते दिख रहे थे, लेकिन टखने की चोट से जूझ रहे फिरोजा ने

जबरदस्त हिम्मत और कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच का पासा पलटते हुए भारतीय खिलाड़ी को आश्चर्यजनक रूप से आसानी से हरा दिया। गुकेश मैराथन क्लासिकल मुकाबले में दबाव बनाए हुए थे, लेकिन सो किसी तरह 116 चाल में मैच ड्रॉ कराने में कामयाब रहे। फिर अमरीकी खिलाड़ी ने आर्मागेडन में भारतीय को पछाड़ दिया। महिला वर्ग में भारत की

दिव्या देशमुख ने अनुभवी कोनेरू हम्पी को आर्मगेडन में हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दिव्या ने कहा कि उन्हें नॉर्वे चेस के आर्मगेडन मुकाबले और कन्फेशन रूम का अनुभव काफी पसंद आ रहा है। कन्फेशन रूम में खिलाड़ी मैच के दौरान अपने विचार दर्शकों के साथ साझा करते हैं।

# 'शीशा' पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आई शहनाज

**मुंबई (एजेंसी)** • अभिनेत्री शहनाज गिल अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। शहनाज अक्सर अपने फैंस के साथ जिंदगी के खास पलों की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ट्रेंडिंग सॉन्ग 'शीशा' पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में शहनाज अपनी टीम के साथ गाने की धुन पर झूमती और थिरकती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने के बोल और बीट्स के साथ शानदार तालमेल बैठाया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'मेरा दिल मेरा ही है। शहनाज गिल।' उनके इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी ऊर्जा व अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे गाने 'शीशा' को मित्ता रोर और स्वरा वर्मा ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल भी मित्ता रोर ने ही लिखे हैं। यह रोमांटिक ट्रैक युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो चुका है और सोशल मीडिया रील्स पर लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। शुरुआत में इस गाने का केवल ऑडियो वर्जन रिलीज किया गया था, लेकिन बाद में इसे एमटीवी के चर्चित रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 16 के चर्चित प्रतियोगियों सौरव बेदी और निहारिका तिवारी पर फिल्माया गया। वीडियो रिलीज होने के बाद दोनों की जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया।

## एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

**नई दिल्ली (एजेंसी)** • महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया।

## यूनिटी कप फुटबॉल भारत का मुकाबला जमैका से होगा

**लंदन (एजेंसी)** • भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

# फिल्म 'रफ्तार' अब दशहरा वीकेंड पर रिलीज होगी सिनेमाघरों में

**मुंबई (एजेंसी)** • फिल्म 'रफ्तार' को लेकर अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, परंतु कतिपय कारणों से इसे टालना पड गया है। अब इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। अब यह फिल्म 16 अक्टूबर को दशहरा वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिससे इसके बड़े बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर दोनों ने बेहद भावुक अंदाज में इसकी जानकारी साझा की, जिसने फैंस का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संयुक्त पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि

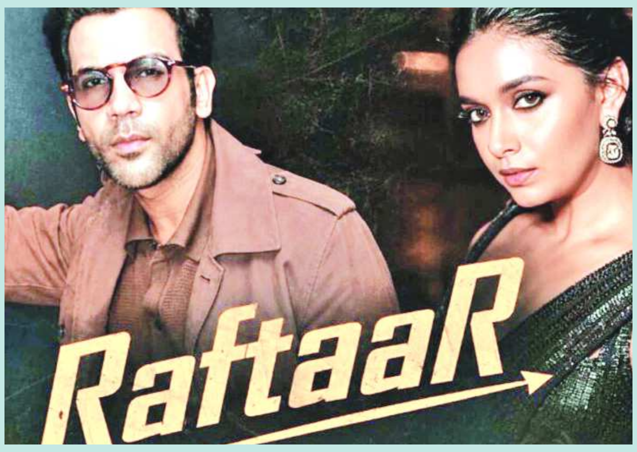


'रफ्तार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बेहद खास सपना है। पोस्ट में फिल्म का नाम बड़े अक्षरों में लिखा गया था और उसके साथ दोनों ने एक लंबा भावनात्मक संदेश भी साझा किया।

## उज्जैन संभाग

## अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर महिला ने लाल मिर्च फेंकी, पुलिस-प्रशासनिक अमले को भागकर बचानी पड़ी जान

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** •जिले के खाचरौद में अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम पर महिला और उसके पति ने लाल मिर्च फेंककर हमला कर दिया। घटना 19 मई की बताई जा रही है। घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें महिला आरआई, पटवारी, पुलिस और अन्य कर्मचारियों पर छत से लाल मिर्च फेंकती नजर आ रही है। मिर्ची के हमले के बाद टीम को वहां से भागकर अपनी जान बचानी पड़ी। ग्राम पंचायत घिनोदा के सचिव चंद्रभान सिंह ने बताया कि घिनोदा आबादी क्षेत्र में मांगीलाल पाटीदार का मकान है। आरोप है कि हाल ही में निर्माण के दौरान उसने सड़क तक अतिक्रमण कर लिया था। शिकायत मिलने पर 19 मई को आरआई भगवान सिंह, पटवारी धर्मेंद्र चौहान, तहसील की टीम और खाचरौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी।टीम ने मांगीलाल और उसकी पत्नी सजन बाई को समझाइश देते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए कहा। इसके बाद दोनों पति-पत्नी घर के अंदर चले गए। प्रशासनिक टीम ने जैसे ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की, तभी सजन बाई और मांगीलाल ने टीम पर लाल मिर्च फेंकना शुरू कर दिया। वायरल वीडियो में सजन बाई के हाथ में लाल मिर्च से भरी थाली दिखाई दे रही है। कार्रवाई के दौरान वह छत से टीम पर मिर्ची फेंकती नजर आ रही है। हमले के बाद प्रशासनिक अमला और पुलिसकर्मी वहां से भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। सचिव चंद्रभान सिंह ने बताया कि घटना के बाद सजन बाई और उनके पति मांगीलाल के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा गया है। मामले में आगे की कार्रवाई खाचरौद थाना पुलिस द्वारा की जाएगी। फिलहाल प्रशासनिक टीम अब तक अतिक्रमण नहीं हटा पाई है।

## शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का समापन...

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** •शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा का समापन रामघाट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मां शिप्रा को चुनरी चढ़ाने और विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायिका मैथिली ठाकुर एवं उनके ग्रुप ने भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मुख्यमंत्री ने दीपमालिकाओं की तुलना दीप पर्व से करते हुए कहा कि देश के नागरिक सभी अदालती निर्णयों पर भरोसा कर समरसता का परिचय दे रहे हैं। इस दौरान सीएम ने गोविंद गंधे की पुस्तक का विमोचन किया और शासकीय योजनाओं पर केंद्रित गीत लॉन्च किया।

# 1000 साल पुराने अवशेष, रणजीत हनुमान मंदिर के पास परमारकालीन मंदिर के भग्नावशेष खोजे गए

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** • शिप्रा परिक्रमा मार्ग पर एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज सामने आई है। 25 और 26 तारीख को आयोजित दो दिवसीय शिप्रा परिक्रमा के दौरान, पुरातत्वविदों और शोधकर्ताओं को लगभग एक हजार वर्ष पुराने परमारकालीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। मुख्यमंत्री ने इस परिक्रमा का समापन किया था। यह खोज शिप्रा तट पर स्थित बड़े पुल के पास रणजीत हनुमान मंदिर के सामने कामाख्या माता मंदिर क्षेत्र में हुई। यहां खुदाई और निर्माण कार्य के दौरान बड़ी संख्या में प्राचीन स्थापत्य खंड, स्तंभों के अवशेष और नक्काशीदार पत्थर प्राप्त हुए हैं। प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार, ये अवशेष परमारकालीन मंदिर के भग्नावशेष माने जा रहे हैं।

### खुदाई और निर्माण कार्य के दौरान मिले अवशेष

स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस क्षेत्र में पहले इतने बड़े पैमाने पर मंदिर के अवशेष नहीं देखे गए थे। हालांकि, हाल

ही में घाट निर्माण और अन्य विकास कार्यों के दौरान जमीन के भीतर दबे प्राचीन अवशेष सतह पर आने लगे। खुदाई से प्राप्त इन भग्नावशेषों को सुरक्षित रूप से एक स्थान पर एकत्र किया गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह क्षेत्र कभी एक विशाल मंदिर परिसर का हिस्सा रहा होगा। समय के साथ मंदिर ध्वस्त हो गया और उसके अवशेष शिप्रा नदी तट, दानीगेट क्षेत्र तथा आसपास के हिस्सों में बिखर गए। अब चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान ये अवशेष फिर से सामने आ रहे हैं।

### परमारकालीन शैली की बनावट

पुरातत्व विशेषज्ञों के मुताबिक, प्राप्त स्तंभखंड, स्थापत्य शैली और पत्थरों पर उकेरी गई नक्काशी परमारकालीन कला शैली से मेल खाती है। इसी आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुराना हो सकता है। पुरातत्व विभाग और शोधकर्ताओं द्वारा अब इन अवशेषों का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है ताकि उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को पूरी तरह समझा जा सके। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के पुराविद डॉ. रमण सोलंकी ने बताया, 'रणजीत हनुमान मंदिर के सामने कामाख्या मंदिर क्षेत्र में पहले कभी इस प्रकार के मंदिर अवशेष देखने को नहीं मिले थे। लेकिन इस बार बड़ी संख्या में भग्नावशेष, स्थापत्य खंड और प्राचीन स्थापत्य सामग्री प्राप्त हुई है।'

## भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण होगा, वर्ग में सीएम प्रदेश अध्यक्ष सहित कार्यकर्ता शामिल होंगे

**दैनिक इंदौर संकेत**

**उज्जैन** • भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन 28 एवं 29 मई को राजाराम रिसॉर्ट में किया जाएगा। प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल जी भी शामिल होंगे । जिला मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा 28 मई से नगर के सभी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। इस प्रशिक्षण वर्ग में लगभग 200 कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहेगी, जिनमें सांसद, विधायक, जिला पदाधिकारी, जिला मोर्चा अध्यक्ष एवं महामंत्री, मंडल प्रभारी, प्रकोष्ठ संयोजक, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, राष्ट्रीय एवं प्रदेश समिति सदस्य शामिल होंगे। भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि दो दिवसीय यह प्रशिक्षण वर्ग आवासीय होगा, जिसमें सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओं को निर्धारित स्थल पर रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य रहेगा। प्रशिक्षण देने हेतु भाजपा के प्रशिक्षित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं से 28 मई को प्रात: 9:00 बजे समय पर राजाराम रिसॉर्ट पर प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

## ओवरटेक के चक्कर में कंटेनर ने मारी टक्कर, ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

**दैनिक इंदौर संकेत**

**देवास** • ग्राम सिया के पास बुधवार सुबह एक कंटेनर और उपज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच टक्कर हो गई। ओवरटेक के प्रयास में हुए इस हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे की रेलिंग तोड़ते हुए सर्विस रोड पर पलट गई।

इस हादसे में नानूखेड़ी निवासी किसान रामचंद्र प्रजापति को हल्की चोटें आईं। ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरी पूरी उपज सड़क पर बिखर गई, जिससे किसान को आर्थिक नुकसान हुआ। किसान रामचंद्र प्रजापति अपनी उपज बेचने के लिए मंडी जा रहे थे। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर के चालक ने ओवरटेक करते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोगों ने किसान की मदद की। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, ट्रैक्टर-ट्रॉली क्षतिग्रस्त हो गई और सड़क पर काफी देर तक उपज फैली रही, जिससे यातायात प्रभावित हुआ।

# जलसंकट में सांसद-विधायक नदारद, निशाने पर महापौर, निर्माण काम में नर्मदा जल पर रोक

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** • इंदौर के जलसंकट को लेकर सीएम डॉ. मोहन यादव संजीदा हैं। भोपाल से ही निगरानी कर रहे हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बैठक लेकर सभी जगह कलेक्टर को मॉनिटरिंग के लिए कहा है। लेकिन इंदौर में बीजेपी नेता एक बार फिर गायब हैं। कांग्रेस थोड़ा मैदान पकड़ रही है और दस दिन में दो बार बड़ा प्रदर्शन कर चुकी है। वहीं पार्षद सड़कों पर उतर रहे हैं।

### केवल बैठकों में नजर आए माननीय

विधायक महेंद्र हार्डिया के घर पर भीड़ पहुंची तो उन्होंने बयान दे दिया कि हालत खराब है। वह महापौर निवास पर धरना देंगे। लेकिन वह यह नहीं बता पा रहे हैं कि साल 2003 से विधायक होने के बाद भी उन्होंने क्या किया। फिर अगले दिन ही बोले मुझे गलत जानकारी थी और फिर बुलेट पर घूमते नजर आए।

विधायक रमेश मेंदोला के घर पर बीजेपी पार्षद जनता को लेकर पहुंच गए और कहा कि पानी दो पानी दो। फिर टंकी बनवाने और टैंकर मिलने का आश्वासन लेकर लौट गए। भोपाल से एसीएस अनुपम राजन आए तो सभी विधायक, सांसद बैठक में पहुंचे और समस्या बताकर लौट गए। सभी ने 50 करोड़ के पैकेज और टैंकर बढ़ाने की मांग कर दी।

### महापौर तो घूम रहे, बाकी नेता नदारद

इस दौरान सभी के निशाने पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव हैं। फिलहाल कलेक्टर शिवम वर्मा, निगमयुक्त क्षितिज सिंघल और अपर आयुक्त आशीष पाठक सुबह से दौरा कर रहे हैं। महापौर भी लगातार दौरे कर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बाकी नेताओं के कोई अते-पते नहीं हैं। एक विधायक तो धार्मिक यात्राएं कर रहे हैं और दिल्ली आयोजन में शिरकत कर रहे हैं। जनता अपने नेताओं को तलाश रही है।

### उधर निगम ने निर्माण काम को लेकर यह लगाई रोक

उधर निगमायुक्त ने नर्मदा जल बचाने के लिए नर्मदा, बोरिंग के जल उपयोग पर रोक लगा दी है। साफ आदेश हैं कि वह ट्रीटेड वाटर का उपयोग करें। इसके लिए निगम के तय केंद्रों से यह पानी ले सकते हैं। सभी जोन पर अधिकारियों को निर्माण कामों पर नजर रखने और पेनल्टी लगाने के आदेश हो गए हैं। इसके तहत निगम ने मंगलवार को एक साथ गई जगह पर दौरे कर पेनल्टी लगाई। वहीं कलेक्टर पहले ही बोरिंग कराने पर रोक लगा चुके हैं।

### कांग्रेस लगातार फोड़ रही मटके

वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पानी को लेकर मंगलवार शाम को राजवाड़ा पर बड़ा प्रदर्शन किया। लंबे समय बाद ऐसी भीड़ उनके आयोजन में दिखी। इसमें कई नेता मौजूद रहे। वहीं निगम के दफ्तर, जोन आफिस के बाहर लगातार मटके फोड़कर नाराजगी जताई जा रही है। जनता खुद चौराहे पर जाम कर रही है और खाली मटके लेकर पानी दो, पानी दो का नारा लगा रही है।

# लिंबोदी, छोटा बिलावली और बड़ा सिरपुर तालाब में पानी का लेवल 'जीरो' पर पहुंचा

## निगम और जिला प्रशासन की चिंता बढ़ी, 1 जून के बाद छोड़ देंगे साथ

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** • शहर में लगातार बढ़ रही गर्मी का असर अब तालाबों और जलाशयों पर साफ दिखाई देने लगा है। शहर के अधिकांश तालाबों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। शहर के प्रमुख सात तालाबों की बात करें तो इसमें प्रमुख रूप से लिंबोदी, बड़ा सिरपुर और छोटा बिलावली की स्थिति तो काफी दयनीय है। यहां पर पानी का स्तर शून्य पर पहुंच गया है। वहीं, यशवंत सागर में भी लगभग 60 फीसदी ही पानी बचा है। बाकी के तालाबों की स्थिति भी ठीक नहीं है। सर्वाधिक क्षमता वाले पिपलियापाला और बड़ा बिलावली में भी 20 से 30 फीसदी पानी ही शेष रह गया है।

शहर में इन दिनों गहराते जलसंकट के समय जहां नर्मदा के पानी से शहर की प्यास नहीं बुझ पा रही है तो दूसरी ओर निगम के हाईडेंट से भी पर्याप्त पानी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। ऐसे में पानी को लेकर शहर की जनता की सबसे बड़ी उम्मीद यहां के तालाब भी अब साथ छोड़ रहे हैं। उनका जलस्तर भी डराने वाला है।

### जरूरतमंदों तक पानी पहुंचाने के प्रयास

नगर निगम के एडीशनल कमिश्नर आशीष पाठक ने बताया कि नागरिकों को पानी की परेशानी न हो, इसके लिए निगम लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है। उन्होंने कहा कि नर्मदा परियोजना से नियमित जल सप्लाई जारी है। साथ ही हाईड्रेट के माध्यम से टैंकर भरकर उन इलाकों तक पानी पहुंचाया जा रहा है, जहां पानी की अधिक जरूरत है। निगम की टीम लगातार जलस्तर और सप्लाई व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं।

शहर के तालाबों में बारिश का पानी लगभग जुलाई अंत तक की ठीक-ठाक बारिश से ही दिखाई देने लगता है। उसके लिए अभी शहर को लगभग महीनेभर का और इंतजार करना पड़ सकता है।

**अफसर लगातार कर रहे निरीक्षण**-शहर में भीषण जलसंकट को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम के अफसर पेयजल आपूर्ति को लेकर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पिछले दिनों जहां महापौर पुष्यमित्र भार्गव नगर निगम की जल वितरण व्यवस्था को देखने अलग-अलग जोन व हाईड्रेट पर पहुंचे थे तो दूसरी तरफ कलेक्टर शिवम वर्मा और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल तालाबों के जलस्तर का जायजा लेने पहुंचे थे। इसके अलावा उन्होंने तालाबों के कैचमेंट एरिया को भी साफ करने के निर्देश दिए थे।

# 60 पेट्रोल पंप होने लगे ड्राय, जिले में डीजल का संकट, किसान बोनी को लेकर चिंतित

## मप्र पेट्रोल-डीजल डीलर्स एसो. की मांग पेट्रोल पंप को 24 हजार लीटर डीजल मिले

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**भोपाल** • बीते 15 दिनों से भोपाल जिले में ड्राय होने वाले पेट्रोल पंपों की संख्या बढ़ती जा रही है। अब 191 में से 60 पेट्रोल पंप ड्राय होने लगे हैं। इन पंपों पर दिन में 5 से 6 घंटे तक डीजल नहीं मिल रहा है। स्थिति यह है कि एक पेट्रोल पर 24 हजार लीटर डीजल की मांग है, लेकिन ऑयल कंपनियों की डिपो से 50 प्रतिशत यानि 12 हजार लीटर पेट्रोल टैंकरों से पहुंच रहा है। पंपों पर डीजल खत्म होने के बाद पंप संचालक डिपो से डीजल मंगवाते हैं, जिसे आने में तीन से चार घंटे तक लग रहे हैं। इस दौरान पंपों पर डीजल नहीं मिल रहा है। बैरसिया, फंदा, मिसरोद, विदिशा, सीहोर, नर्मदापुरम, कोलार रोड सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों पर किसान ट्रैक्टर लेकर डीजल लेने जाते हैं, उन्हें लिमिट के हिसाब से भी डीजल नहीं मिल पा रहा है। इससे किसानों को चिंता सता रही है, यदि आगामी दिनों में भी डीजल का संकट दूर नहीं हुआ तो सोयाबीन व धान की बोनी कैसे कर पाएंगे अभी भोपाल जिले में पेट्रोल का संकट इसलिए नहीं है, क्योंकि पेट्रोल पंपों की संख्या अधिक है। 191 पंपों में यदि 60 पंप ड्राय होने पर पेट्रोल नहीं मिलता है तो लोग गाड़ियों को लेकर जिन पंपों पर पेट्रोल मिल जाता है, वहां चले जाते हैं।

### 5 दिनों तक पंपों पर डीजल का स्टॉक रहता था

आने वाले दिनों में सोयाबीन, धान की बोनी की वजह से डीजल की खपत बढ़ रही है, साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में भी डीजल लगता है। बोनी से पहले खेतों की जुताई ट्रैक्टर से की जा रही है। डिमांड की अपेक्षा डीजल नहीं मिलने से डीजल का संकट हो रहा है। इन वाहन मालिकों को भी कंपनियों की ओर से तय लिमिट के अनुसार डीजल नहीं मिल पा रहा है। पहले पेट्रोल पंपों पर 5 दिनों तक डीजल का स्टॉक रहता था।

### इंडियन के पेट्रोल पंप

5000 रुपए का पेट्रोल भरवा सकते हैं। 10,000 रुपए डीजल की लिमिट तय की गई है।

### भारत के पेट्रोल पंप

200 लीटर प्रति व्यक्ति डीजल की लिमिट पेट्रोल की लिमिट तय नहीं की गई है।

# आकांक्षा योजना के छात्रों का प्रदर्शन कोचिंग का टेंडर रद्द करने की मांग

## कलेक्टर ऑफिस के बाहर धरने पर बैठे स्टूडेंट्स, बोले- भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** • आकांक्षा योजना के तहत आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को दी जा रही नीट कोचिग को लेकर बुधवार को छात्रों ने कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स हाथों में तख्तियां लेकर धरने पर बैठ गए और एसेंट कोचिग क्लास का टेंडर तत्काल निरस्त करने सहित कई मांगें प्रशासन के सामने रखीं।

छात्र नेताओं का कहना है कि आदिवासी और गरीब विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने भी छात्रों से चर्चा कर उनकी शिकायतें सुनीं।

छात्र नेता पवन अहिरवार ने बताया कि पिछले छह महीने से छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन जांच के नाम पर केवल आश्वासन दे रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र यहां सिर्फ अपनी मांगों के लिए नहीं, बल्कि न्याय के लिए आए हैं। धरने पर बैठे छात्रों ने आरोप लगाया कि आकांक्षा योजना के तहत उन्हें टैबलेट, मॉड्यूल, स्टेशनरी और नियमित कोचिग सुविधा मिलनी चाहिए थी, लेकिन अब तक अधिकांश सुविधाएं नहीं मिलीं। छात्रों का कहना है कि उन्हें दिसंबर में बुलाया गया, जबकि गाइडलाइन के अनुसार सितंबर से कोचिग शुरू हो जानी चाहिए थी। इसके कारण 11 वीं कक्षा का सिलेबस भी प्रभावित हुआ।

छात्रों ने मांग की है कि 24 माह की नीट कोचिग पूरी कराई जाए, एसेंट कोचिंग क्लास का टेंडर समाप्त किया जाए और शिकायतों से जुड़े बयान उनके सामने प्रस्तुत किए जाएं। साथ ही बिना मॉड्यूल, टैबलेट और नियमित कोचिग के बिल पास करने की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी सार्वजनिक करने की भी मांग की गई। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने मुकुल बंसल पर एफआईआर दर्ज करने और कोचिग संस्था से जुड़े शिक्षकों व दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई।

# आरटीओ की गलती, वाहन मालिक होते रहे परेशान...

## रिन्यूअल के लिए जीपीएस लगाने को कहा

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** • परिवहन विभाग की एक तकनीकी गड़बड़ी ने प्रदेशभर के हजारों वाहन मालिकों की परेशानी बढ़ा दी है। बीते दो दिनों से वाहन रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल के दौरान पोर्टल पर नई शर्त दिखाई दे रही है, जिसमें पुरानी कारों और दोपहिया वाहनों में जीपीएस आधारित व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाना अनिवार्य बताया दिया गया, जबकि यह सिर्फ कमर्शियल वाहनों के लिए अनिवार्य है। इस डिवाइस की कीमत करीब 10 से 15 हजार रुपए तक है। वाहन मालिकों का कहना है कि बिना इस सिस्टम की जानकारी भरे पोर्टल आगे की प्रक्रिया स्वीकार नहीं कर रहा। इससे रिन्यूअल की फाइलें अटक गई है और आरटीओ कार्यालयों में भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

वाहन एजेंटों के अनुसार पहले यह नियम केवल कमर्शियल वाहनों के लिए लागू था। अब अचानक निजी कारों और दोपहिया वाहनों के लिए भी वीएलटी डिवाइस की अनिवार्यता दिखने लगी है। जैसे ही रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल के लिए आवेदन खोला जा रहा है, पोर्टल पर वीएलटी नंबर और उससे जुड़ी जानकारी मांगी जा रही है। कई वाहन मालिकों ने इसे लेकर आपत्ति ली है।

### विभाग का इनकार

रिन्यूअल पर अतिरिक्त 15 हजार रुपए खर्च उनका कहना है कि पुरानी बाइक या कार के करना सामान्य लोगों के लिए संभव नहीं है। कुछ लोगो ने यह भी कहा कि अगर यह नियम लागू किया गया तो बड़ी संख्या में वाहन मालिक रिन्यूअल ही नहीं करवा पाएंगे। परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह किसी तकनीकी त्रुटि के कारण हुआ है। विभाग के मुताबिक निजी वाहनों के लिए फिलहाल ऐसा कोई नया नियम लागू नहीं किया गया है।

**अवैध कमीशन वसूली एवं सीलबंद दुकान पुनः संचालित होने पर किसानों ने उठाए गंभीर सवाल**

# चोइथराम मंडी प्रशासन की चुप्पी, कार्यप्रणाली से नाराज किसानों ने दी आंदोलन की चेतावनी

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** • चोइथराम सब्जी मंडी में किसानों से अवैध कमीशन वसूली, मंडी नियमों की खुलेआम अवहेलना एवं सीलबंद दुकान को पुनः संचालित किए जाने के मामले में भारतीय किसान एवं मजदूर सेना (अ) ने मंडी प्रशासन के खिलाफ कड़े शब्दों में नाराजगी व्यक्त की है। संगठन ने आरोप लगाया है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन जानबूझकर दोषियों को संरक्षण देने का कार्य कर रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष बबलू जाधव ने कहा कि संगठन द्वारा 28 अप्रैल 2026 एवं 14 मई 2026 को मंडी बोर्ड आंचलिक कार्यालय, इंदौर को लिखित शिकायतें भेजकर पूरे मामले की जानकारी दी गई थी, लेकिन आज तक न तो निष्पक्ष जांच की गई और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई सामने आई। इससे साफ प्रतीत होता है कि मंडी प्रशासन किसानों के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि जिन व्यापारियों के खिलाफ शिकायतें की गई थीं, उनकी दुकान को पूर्व में सीलबंद किया गया था, लेकिन अब वही दुकान दोबारा संचालित हो रही है। यह स्थिति बेहद गंभीर एवं संदेहास्पद है और सीधे तौर पर प्रशासनिक मिलीभगत की ओर इशारा करती है। भारतीय किसान एवं मजदूर सेना ने कहा कि यदि किसानों के साथ खुलेआम हो रहे आर्थिक शोषण पर भी प्रशासन कार्रवाई करने से बचता है, तो यह किसानों के साथ विश्वासघात है। किसानों से अवैध रूप से वसूली गई राशि वापस दिलाने के बजाय शिकायतों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। संगठन ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के साथ-साथ संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर भी कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही अब तक की गई कार्रवाई की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए।

# तरबूज से मौत की खबरों से डरे खरीदार, बिक्री गिरी : दाम 30% तक टूटे

**इंदौर संकेत प्रतिनिधि**

**इंदौर** • गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा बिकने वाले फलों में शामिल तरबूज इस बार लोगों के डर का शिकार हो गया है। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में तरबूज खाने के बाद हुई मौतों की खबरों के बाद लोगों ने इसे खरीदने से दूरी बनानी शुरू कर दी है। मध्यप्रदेश के कई शहरों में तरबूज की बिक्री अचानक घट गई है, जिससे किसानों, व्यापारियों और फुटपाथ पर फल बेचने वालों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में तरबूज के दाम 20 से 30 प्रतिशत तक गिर गए हैं। सीजन की शुरुआत में जो तरबूज 18 से 20 रुपए किलो बिक रहा था, वह अब कई जगह 12-13 रुपए किलो तक पहुंच गया है। थोक मंडियों में भाव 7-8 रुपए किलो तक आ गए हैं। मुंबई के पायधुनी इलाके में 25-26 अप्रैल की रात एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। बताया गया कि परिवार ने पहले बिरयानी खाई और बाद में तरबूज खाया था। कुछ घंटों बाद सभी की तबीयत बिगड़ गई। फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी की रिपोर्ट में तरबूज में 'जिंक फास्फाइड' नामक खतरनाक रसायन मिलने की बात सामने आई। यह केमिकल आमतौर पर चूहे मारने की दवा में इस्तेमाल होता है। इसके बाद मध्यप्रदेश के श्योपुर में भी ऐसा ही मामला सामने आया। 15 मई को ट्रांसपोर्ट व्यवसायी इंद्र सिंह परिहार और उनके बेटे विनोद ने रात में खाना खाने के बाद तरबूज खाया था। कुछ देर बाद दोनों की तबीयत बिगड़ गई।

### मंडियों में माल, लेकिन ग्राहक गायब

भोपाल की करोंद फल मंडी में रोजाना 15 से 20 मिनी ट्रक तरबूज पहुंच रहा है। थोक व्यापारी मोहम्मद सैफुद्दीन का कहना है कि पिछले 15-20 दिनों में बिक्री पर बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने बताया, 'पहले 25-30 क्विंटल तरबूज वाली गाड़ी सुबह तक खाली हो जाती थी, लेकिन अब दोपहर तक भी मुश्किल से बिकती है। मजबूरी में दाम घटाने पड़ रहे हैं। अगर ये खबरें नहीं आतीं तो इतनी गर्मी में बिक्री दोगुनी होती और भाव 25-30 रुपए किलो तक पहुंच जाते।'

अस्पताल में इंद्र सिंह को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बेटे की नौ दिन बाद मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने तरबूज के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

भोपाल में बीटेक की पढ़ाई कर रहे अरमान अली भी कहते हैं कि खबरें सामने आने के बाद उन्होंने तरबूज खरीदना लगभग बंद कर दिया है। अगर खरीदते भी हैं तो काफी सावधानी बरतते हैं। इसी तरह हमें कुछ और ऐसे लोग मिले जो तरबूज की बजाय दूसरे फल खरीद रहे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।